सूची

TERM II

अध्याय	पृष्ट संख्या
इतिहास	
1- यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	79 - 82
2 - इन्डो-चाइना में राष्ट्रवादी आन्दोलन	83 - 86
3 - भारत में राष्ट्रवाद	87 - 92
भूगोल	
5 - खनिज और ऊर्जा संसाधन	93 - 95
6 - विनिर्माण उद्योग	96 - 98
7 - राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं	99 - 101
मानचित्र	102 - 108
लोकतान्त्रिक राजनीति - II	
5 - लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन	109 - 113
6 - राजनीतिक दल	114 - 117
7 - लोकतंत्र के परिणाम	118 - 120
8 - लोकतंत्र के लिए चुनौतियां	121 - 123
आर्थिक विकास की समझ	
3 - मुद्रा और साख	124 - 127
4 - वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था	128 - 130
5 - उपभोक्ता अधिकार	131 - 132
प्रश्न पत्र	133 - 142

पाठ - 1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

पाठ का मुख्य सारांश - 1848 में फ्रांसीसी चित्रकार फ्रेड्रिक सारयू द्‌वारा अपने चित्रों की चार श्रृंखला में अपने सपनों के विश्व को लोकतांत्रिक व सामाजिक गंणतंत्र के रूप में दर्शाया है। 19वीं शताब्दी के दौरान यूरोप के मानसिक और राजनैतिक दुनिया में बहुत से परिर्वतन हुए।

फ्रांस की क्रांति और राष्ट्र का विचार

1. फ्रांस में राष्ट्रवाद का उदय - विभिन्न तरह के उपायों और अभ्यास ने फ्रांस के लोगों में एक सांझी संस्कृति का विचार पनपाया , नेपोलियन के उदय और सुधारों, कांतिकारियों ने यूरोप के लोगों को राष्ट्र बनाने में सहायता दी।

2. यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय - जर्मनी और इटली राज्य, डचीस और कैण्टन्स में विभाजित थे इन भागों में उनके निरंकुश शासक थे। इंग्लैण्ड में औद्‌योगीकरण ने कार्यशील वर्ग और उदारवाद को जन्म दिया, नेपोलियन की पराजय के बाद यूरोप की सरकार ने रूढिवादिता को अपनाया। रूढिवादी शासक निरंकुश थे। कांतिकारियों ने उस समय अपनी आजादी और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया। उदा. मैजिनी ने यंग इटली और यंग यूरोप बनाया।

3. कांति का युग - (1830-48) उदारवाद और राष्ट्रवाद, ब्रूसेल्स और ग्रीस में क्रान्तियॉ। यूरोप में सांस्कृतिक आंदोलनों का विकास, भूख, कठिनाइयां और प्रसिद्ध विद्रोह, वैधानिक सुधारों की मांग और राष्ट्रीय एकीकरण, स्त्रियों को अधिकार, परिणाम-फ्रेंकफ्रर्ट संसद (1848)

4. जर्मनी और इटली का एकीकरण - जर्मनी और सेना की भूमिका, बिस्मार्क और उसकी नीति, जर्मनी का एकीकरण, इटली का एकीकरण-मैजिनी, गौरीबाल्डी और विक्टर इमानुएल का योगदान

बिटेन की अलग और भिन्न स्थिति 1688 की गौरवपूर्ण कान्ति, 1707 का एक्ट ऑफ यूनियन

5. राष्ट्र की दृश्य कल्पना - राष्ट्र को नारी रूपकों के रूप में चित्रण जैसे मरियान (फ्रांस) और जर्मेनिया (जर्मनी)

6. राष्ट्रवाद और साम्राज्यवाद - 19वीं शताब्दी के अन्त में राष्ट्रवाद का संकुचित व सीमिति रूप बना, असहनशील बाल्कान बडी शक्तियों के बीच शत्रुता का कारण बना, राष्ट्रवाद् और साम्राज्यवाद, प्रथम विश्व युद्ध का कारण।

लघु प्रश्न (३ अंक)

प्रश्न 1.फांसीसी क्रान्तिकारियों ने फ़्रांसीसी लोगों में सामूहिक पहचान की भावना किस प्रकार पैदा की

उत्तर -

1. पितृभक्ति और नागरिक के विचार
2. नये राष्ट्रीय चिन्ह
3. केंद्रीकृत प्रशासनिक व्यवस्था
4. राष्ट्रीय भाषा
5. एक समान भार व मान की व्यवस्था

प्रश्न 2. नेपोलियन द्वारा लागू किये गये प्रशासनिक सुधारों के विषय में बताइये ?

उत्तर 1. नेपोलियन की संहिता
2. ग्रामीण प्रशासनिक सुधार
3. शहरी क्षेत्रों में सुधार
4. व्यापार में सुधार

प्रश्न 3. 1804 की नागरिक संहिता के प्रावधानों का उल्लेख करो

उत्तर 1. जन्म पर आधरित सुविधओं की समाप्ति
2. सम्पत्ति के अधिकार की बहाली
3. जमींदारी व सामंती व्यवस्था की समाप्ति
4. यातायात तथा संचार व्यवस्था में सुधार

प्रश्न 4. यूरोप के कुलीन वर्ग की विशेषतायें बताओ ?

उत्तर 1. जीवन जीने की समान शैली
2. भू-स्वामित्व
3. कूटनीतिक भाषा
4. आपस में वैवाहिक सम्बन्ध

प्रश्न 5 यूरोप में उदारवादियों द्वारा समर्पित राजपितृक , सामाजिक और आर्थिक आदर्श क्या थे?

उत्तर 1. कानून के समक्ष समानता

2. वयस्क मताधिकार के पक्ष में नहीं

3. वे बाजार की स्वतन्त्राता तथा राज्य द्वारा वस्तुओं एवं पूंजी के प्रवाह पर प्रतिबन्ध को समाप्त करने के पक्षधर

दीर्घ प्रश्न

प्रश्न 1. 1815 की वियना संधि के उद्देश्य बताइये ?

उत्तर 1. उत्तर में नीदरलैड साम्राज्य की स्थापना

2. दक्षिण में जेनेवा को पिडमाण्ड के साथ मिला दिया

3. प्रशा को पश्चिम में नये क्षेत्र दिये गये।

4. पूर्व में रूस को पोलेंड का एक हिस्सा दे दिया गया।

5. फ्रांन्स में रजतंत्र की पुनर्स्थापना की गयी

प्रश्न 2. औद्योगिकरण के विस्तार ने किस प्रकार यूरोप के सामाजिक और राजनैतिक समीकरण बदल दिये ?

उत्तर 1. पश्चिमी और मध्य यूरोप के हिस्सों में औद्योगिक उत्पादन और व्यापार में वृद्धि

2. शहरों का विकास और वाणिज्यिक वर्गो का उदय हुआ।

3. श्रमिक और मध्य वर्ग का उद्य

4. कुलीन विशेषाधिकारों की समाप्ति के विचारों की लोकप्रियता

5. शिक्षित एवं मध्यम वग में राष्ट्रीयता की भावना का उदय

प्रश्न 3. यूरोप के राष्ट्रवादी संघर्षो में महिलाओं की भूमिका क्या थी ?

उत्तर 1. स्वयं की राजनैतिक संगठन बनाई

2. समाचार पत्रों का प्रकाशन

3. मताधिकार की प्राप्ति नहीं

4. राजनैतिक बैठकों तथा प्रदर्शनों में हिस्सा

5. प्रदर्शनों में महिलाओं की बढती भागीदारी

प्रश्न 4 19वीं सदी में यूरोप में राष्ट्रवाद की लहर के क्या कारण थे ?

उत्तर 1. जनता पर अत्याचार

2. निरंकुश शासन व्यवस्था

3. उदारवादी विचारों का प्रसार

4. स्वतन्त्राता, समानता तथा वंधुत्व का नारा

5. शिक्षित मध्य वर्ग की भूमिका

प्रश्न कुंजी

लघु उत्तरात्मक प्रश्न कुंजी - **(3 अंक)**

प्रश्न 1. 1815 - 1914 के दौरान अर्न्तराष्ट्रीय आर्थिक विनिमय केंद्रों के साथ तीन प्रकार के प्रवाहों को बताइये ?

प्रश्न 2. 1707 की एक्ट आफ यूनीयन के बारे में लिखिए।

प्रश्न 3. राष्ट्रराज्य की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 4. जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की क्या भूमिका थी ?

प्रश्न 5. बाल्कान समस्या किन कारणों से उत्पन्न हुई थी ?

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न - **(5 अंक)**

प्रश्न 1. क्या आप समझते है कि रूमानी कल्पना राष्ट्रवाद के विकास में सहायक भूमिका निभा सकते है ?

प्रश्न 2. इटली के एकीकरण की प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए ?

प्रश्न 3. जर्मनी के एकीकरण की प्रमुख बिन्दु क्या थी ?

पाठ -2
इन्डो-चाइना में राष्ट्रवादी आन्दोलन

* **इन्डोचाइना - फ्रांसीसी उपनिवेश;-** वियतनाम, लाओस और कंबोडिया
* **पॉल बेर्नार्द-** एक प्रभावशाली लेखक और इन्डो -चीन में फ्रांस के नीति निर्माता।
* **औपनिवेशिक शिक्षा की दुविधा ;** लोगों को सभ्य बनाना, चीनी संस्कृति का प्रभाव, फ्रांसीसी भाषा का प्रयोग,तोंकिन फ्री स्कूल, पाश्चात्य शिक्षा और पश्चिमी शैली की शिक्षा स्कूलों में विरोध |
* **तोंकिन फ्री स्कूल** पाश्चात्य शैली की शिक्षा के प्रचार- प्रसार हेतु **1907** में स्थापित किया गया ।
* **1868 का स्कॉलर रिवोल्ट**; विद्वानों का विद्रोह-यह आन्दोलन फ्रांसीसि कब्जे और ईसाई धर्म के प्रसार के विरुद्ध था |1939 में होओ हाओ आन्दोलन छुईंहुसो द्वारा शुरू हुआ|
* **कम्यूनिस्ट आन्दोलन और वियतनामी राष्ट्रवाद** - होचीमिन्ह ने वियतनाम पर 1930 के दशक की महामंदी का प्रभाव ,फरवरी 1930 में कम्यूनिस्ट पार्टी की स्थापना , 1940 में जापान का वियतनाम पर कब्ज़ा, वह दक्षिण पूर्व एशिया पर कब्ज़ा करना चाहता था |अब राष्ट्रवादियों को जापानियों और फ्रांसीसी से संघर्ष करना था | फ्रांसीसियो ने इंडोचईना पर फिर से अधिकार करना चाहा |वियतनाम का विभाजन, देश की एकता केलिए कम्यूनिस्ट शक्ति को दबाने के लिए संयुक्त राज्य का युद्ध में प्रवेश ।
* **'वियतनाम के बिजली के फ्यूज'** - गुॲण और हाटीन शहरें
* **अमेरिका - वियतनाम युद्ध** - वियतनाम में साम्यवाद के प्रसार के डर से पूंजीवादी देश अमेरिका ने युद्ध किया।
* **जॉन वय्न्स की - ग्रीन बेरेत्स – फिल्म** - युद्ध का समर्थन
* **जॉन फोर्ड कोपोला की – अपोकल्य्प्से नव** - युद्ध के खिलाफ
* युद्ध का अंत - वियतनाम का एकीकरण - कम्युनिस्ट शासन की स्थापना - युद्ध में अमेरिका की हार - 1975 में, वियतनाम नए स्वतंत्र राष्ट्र ।
* **अमेरिका के साथ वियतनामी युद्ध 'टेलीविजन युद्ध** कहलाया - युद्ध के दृश्य टेलीविजन में दिखाए गए।
* **महिलाओं की भूमिका- त्रुंग बहनों- और त्रिएउ औ** -विद्रोही महिलाओं का योगदान, गुज़ारे ज़माने के नायकों, शान्ति के समय औरतें,कृषि- सहकारिता कारखानों और उत्पादन इकाइयाँ|
* **त्रुंग बहनें चीनी सत्ता के विरुद्ध लड़ी**|* फेन बोई चाउ ने **त्रुंग** बहनों के जीवन पर नाटक लिखा , उन्होंने शत्रुओं के सामने आत्मसमर्पण करने की बजाय मृत्यु को चुना |

<u>लघु प्रश्नोत्तर :- 3 अंक</u>

प्रश्न 1 -वियतनाम पर फ्रांसीसियों के कब्जे के बाद टकराव क्यों होने लगा ? कारण लिखो |

उत्तर :- * फ्रांसीसियों का नियंत्रण सबसे ज़्यादा सैनिक व आर्थिक मामलों में था *उन्होंने वियतनामी संस्कृति को तहस -नहस करने की कोशिश की *फ्रांसीसियो और उनके वर्चस्व का अहसास करनेवाली हर चीज़ के ख़िलाफ़ वियतनाम के लोगों ने विरोध किया * इससे वियतनाम में राष्ट्रवाद के बीज पड़े |

प्रश्न 2 . वियतनाम के लिए फ़ान चू त्रिन्ह का उद्देश्य क्या था? कैसे उनके विचार फ़ान बोइ चौ से अलग थे?

उत्तर: फ़ान चू त्रिन्ह एक वियतनामी राष्ट्रवादी थे। वे राजशाही के खिलाफ थे ।वे फ्रांसीसी आधिपत्य के समर्थक थे और पश्चिम के लोकतांत्रिक विचारों से प्रभावित थे।

फ़ान बोई चाऊ कन्फ्यूशियस विचारों से बहुत प्रभावित था। उनकी योजना फ्रांसीसियों को वियत्नाम से खदेड़ना तथा राजशाही शासन स्थापित करना था ।

प्रश्न 3 .वियट्नाम में धान के उत्पादन में वृद्धि के उद्देश्य को पूरा करने केलिए फ्रांसीसियों का क्या योगदान रहा?

उत्तर* फ्रांसीसियों ने यहाँ मेकोंग डेल्टा इलाके में खेती बढ़ाने केलिए नहर बनवाई
* जल निकासी का प्रबंध किया *लोगों को जबरदस्ती इस काम में लगाया गया

*चावल के उत्पादन में वृद्धि हुई * यह संसार का सबसे बड़ा निर्यातक देश बन गया |

प्रश्न 4 क्या उपनिवेशों का विकास करना ज़रूरी है ? कारण बताइए |

उत्तर :- *उपनिवेशों का विकास औपनिवेशिक देशों की अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने केलिए हुआ * विकास ज़रूरी था जिससे मुनाफ़ा कमाया जा सकता था* उत्पादन में वृद्धि से निर्यात में वृद्धि ,वे ज़्यादा चीज़ें खरीदेंगे * बाजार क विस्तार , फ्रांसीसी व्यापारियों को मुनाफा।

प्रश्न 5 . फ्रांसीसी वियतनाम के लोगों को शिक्षित करना क्यों चाहते थे ?कारण लिखिए |

उत्तर :-*सभ्य बनाने केलिए शिक्षा जरूरी था * वे अच्छे क्लर्क चाहते थे, प्रशासनिक व्यवस्था में सहायकसिद्ध हो * वे फ्रांस की सांस्कृतिक श्रेष्ठता तथा कार्यप्रणाली में गर्व महसूस कर सके |

प्रश्न 6 . वियतमनाम में तोंकिन फ्री स्कूल खोलने के उद्देश्य की व्याख्या कीजिए?

उत्तर :- * फ्रांसीसी वियतनामियों को पश्चिमी ढंग की शिक्षा देना चाहते थे |

* विज्ञान,स्वच्छता, फ्रांसीसी भाषा और साहित्य शामिल थे |
* कक्षाएँ शाम को लगती थीं | इन केलिए फीस अलग देनी होती थीं |
* बच्चों को लंबे बाल न रखने की सलाह दी जाती थी |

प्रश्न 7 .चीन में शुरू हुए 'पूर्व की ओर चलो ' आंदोलन की चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?

उत्तर- * 20वी सदी की शुरू में 300 वियतनामी विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने जापान गए * वियतनाम से फ्रांसीसियों को निकालना * जापानियों से हथियार व समर्थन की माँग * वियतनामी विद्यार्थियों ने टोकियो में रेस्टोरेशन सोसयटी की स्थापना की |

<u>पाँच अंक वाले प्रश्न -</u>

प्रश्न 1 1930 में आई महामंदी से वियतनाम पर पड़े प्रभाव का वर्णन करो?

उत्तर -: * रबड़ व चावल के दाम गिर गए * कर्ज बढ़ने लगा

* चारों तरफ़ बेरोज़गारी *फ्रांसीसियों ने बगावतों को सख्ती से कुचल डाला
* जुलूसों पर हवाई हमलों से बमबारी की गई |

प्रश्न 2.फ्रांसीसियों द्वारा प्लेग की समस्या को हल करने केलिए उठाये गए उपायों की व्याख्या कीजिए ?

उत्तर * -:*1902 में चूहों को पकड़ने की मुहिम शुरू की गई |

* चूहे के बदले इनाम दिया जाने लगा |
* इनाम के चक्कर में चूहे पकड़ते और छोड़ देते |
* प्लेग से पीड़ित रोगियों केलिए अस्पताल खोले गए |
* हनोई नगर में सफाई अभियान |

प्रश्न 3 .हो ची मिन्ह भूलभूलैया मार्ग की चार विशेषताएँ लिखो ?

उत्तर- * इस मार्ग पर सड़कों का एक बड़ा जाल है जो पडोसी देशों को जोड़ता है |

* फुटपाथों और सड़कों के विशाल नेटवर्क के माध्यम से सैनिक व रसद सामग्री भेजी जाती थी

* भूलभुलैया मार्ग पर जगह-जगह छोटे सैनिक हवाइअड्डे व अस्पताल बने थे |
* माल ढुलाई का काम महिला- कुली करती थी |

प्रश्न 4. वियतनाम में उपनिवेश विरोधी संग्राम में महिलाओं की भूमिका क्या थी ?

उत्तर -: * महिलाओं ने कुली के रूप में काम किया

* सैनिकों केलिए 25 किलो भोजन और युद्ध सामग्री अपनी पीठ पर युद्ध क्षेत्र तक पहुँचाई
* घायलों की मदद की, सुरंगों को खोदा और सड़कों का निर्माण किया
* दुश्मनों के कई विमानों को निष्प्रभावित कर दिया

<u>अतिरिक्त प्रश्न</u>

1. वियत्नाम के राष्ट्रीय आंदोलन में हो ची मिन्ह के योगदान की व्याख्या कीजिए |
2. वियतनाम युद्ध में अमेरीकी सेना द्वारा किस प्रकार के हत्यारों का इस्तेमाल किया गया था ?
3. वियतनाम में प्रतिरोध आंदोलन में स्कूलों की क्या भूमिका रही ?
4. चूहा हंट को वियतनाम के लोगों ने कैसे लाभदायक बना लिया ?
5. पॉल बेर्नार्द की राय मे वियतनाम के आर्थिक विकास मे बाधाएं क्या क्या थी ?

पाठ -3
भारत में राष्ट्रवाद

याद रखने योग्य बातें:-

गांधीजी और सत्याग्रह : सत्य की खोज- शारीरिक बल से अधिक मानसिक बल पर ज़ोर|

गांधीजी ने बिहार के **चंपारन में पहला सत्याग्रह (1916)** नील के श्रमिकों को उदयोगपति के विरुद्ध विद्रोह की प्रेरणा देने केलिए किया ।

रॉलट सत्याग्रह- 18 मार्च 1919 **रॉलट एक्ट** के खिलाफ किया गया आंदोलन ।

13 अप्रैल 1919 को पंजाब के अमृतसर के **जलियाँवाला बाग** में सैकडो लोगों की हत्या।

हिन्द स्वराज- महात्मा गांधी द्वारा लिखा गया, पुस्तक " हिंद स्वराज" जिसमें गांधीजी ने असहयोग आंदोलन का आह्वान किया ।

सन 1920-1922 कांग्रेस और अली बंधु द्वारा एक साथ **असहयोग तथा खिलाफत आंदोलन**

चौरी- चौरा की घट्ना - 5 फरवरी 1922 को उत्तरप्रदेश के गोरखपुर जिले के चौरी- चौरा में पुलिस ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शनकर्ताओं पर लाठी से वार किया जिसके विरोध में प्रदर्शकारियों ने पुलिस चौकी में आग लगा दी तथा 22 पुलिसवालों को जिंदा जला दिया ।

लाहौर अधिवेशन- सन 1929 के कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में 1930 तक पूर्ण स्वराज्य प्राप्त करने की घोषणा की और 26 जनवरी को प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस मनाने का संकल्प, सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करने का निर्णय लिया।

सविनय अवज्ञा आंदोलन- सन 1930 में गांधी जी द्वारा दांडी में नमक कानून का उल्लंघन करके सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ करना।

भारतीयों ने साइमन कमीशन (1928) का विरोध

* समय से पहले गठन करना
* शासन में सुधर जैसी कोई बात नहीं
* एक भी भारतीय इस कमीशन में सम्मिलित नहीं था ।

सन 1930 को **भीम राव अंबेडकर** द्वारा **दलित वर्ग एसोसिएशन** की स्थापना ।

पूना पाक्ट 1932 गांधीजी और भीम राव अंबेडकर के बीच में समझौते - विधान परिषदों में दलित वर्ग को सीट का आरक्षण ।

<u>तीन अंक वाले प्रश्न -</u>

1. **असहयोग आंदोलन का आह्वान गांधीजी ने क्यों किया ? इसमें कौन-कौन सी विधियाँ अपनायी ?**

   उत्तर - अंग्रेज़ी शासन के साथ असहयोग की भावना स्वदेशी और बहिष्कार -सेना, पुलिस ,अदालतों, विधान परिषदों ,स्कूलों और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार एवं स्वदेशी वस्तुओं का उत्पादन एवं उपयोग अलंकार और उपाधियों को वापस करना ।

2. शहरों में असहयोग आंदोलन की गति क्यों मंद हुई ?

उत्तर -: * खादी का कपडा अधिक महंगा था

* आवश्यकतानुसार भारतीय संस्थाओं की कमी

*,आंदोलन का लंबा खींचना ।

3. खिलाफत आंदोलन के प्रमुख कारण क्या-क्या थे ?

उत्तर -: * तुर्की के खलीफा का अंग्रेज़ों द्वारा अपमान ।

* लखनऊ समझौता, तथा अलीबंधुओ द्वारा खिलाफत आंदोलन की शुरूआत साथ करना ।

* भारत में मुसलमानों के द्वारा अंग्रेज़ों का विरोध ।

3. गांधी - इरविन समझौते की विशेषताएँ बताइए?

उत्तर -: * 15 मई 1931 को गांधी - इरविन समझौता ।

* सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित कर दिया गया ।

* पुलिस द्वारा किए अत्याचारों की निष्पक्ष जाँच की जाए ।

* नमक पर लगाए गए सभी कर हटाए जाएँ

5. असम में बागान मज़दूरों केलिए स्वराज की अवधारणा क्या थी ?

उत्तर: * अनुबंधक नियमों का उल्लंघन

* चाय बगानों से बाहर निकलना

* असहयोग आंदोलन में सम्मिलित होना

* कृषि भूमि को प्राप्त करना ।

6 . गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को वापस लाने का फैसला क्यों लिया ?

उत्तर -:*. असहयोग आंदोलन अहिंसा पर आधारित था

*आंदोलंकारियों में नीरसता आ गई थी

* चौरी-चौरा में आंदोलनकारियों द्वारा 22 पुलिस वालों को चौकी में जिंदा जलाया जाना ।

NATIONALISM IN INDIA

- Satyagraha
  Champaran in 1916
  Satyagraha at Kheda -1917
  Satyagraha at Ahmedabad - 1918
- Hind Swaraj
  Non Cooperation
- The First WorlWar
  JallianwallaBagh Massacre - 1919
  Amritar in Punjab
  Rowlett Act
  Khilafat Committe - Ali Brothers
- Non- cooperation movement
  Khilafat agitation
  Baba ramchandra
  Alluri Sitaram raj
  ChauriChaura incident 1922 - withdrew the movement
- Swaraj Party 1925
  CR Das & Motilal Nehru
- Simon
  Commission 1928
  Lahore Congress 1929
- Civil Disobedience Movement - Dandi March - 1930
- Gandi Irwin Pact 1931
  Poona Pact 1932
- Sense of collective belonging - Novels , history , ballads , national flag , image of bharat Matha

<u>तीन अंक वाले प्रश्न -</u>

7. भारत के लोग रॉलट एक्ट के विरोध में क्यों थे ?

उत्तर -: * यह एक काला कानून था

* इस कानून के अंतर्गत किसी को भी बिना सुनवाई के लंबे समय तक जेल में डाला जा सकता था
* यह प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान ही भारतीय जनता को नियंत्रण में करने केलिए लाया गया था
* इसका विरोध भारत की आम जनता ने किया ।

<u>पाँच अंक वाले प्रश्न -</u>

1. असहयोग आंदोलन के किन्हीं तीन प्रभावों का वर्णन कीजिए?

उत्तर -: * खिलाफत तथा असहयोग आंदोलन एक साथ चलाया गया ।

* इसको अलग- अलग चरणों में चलाना ।
* विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार और स्वदेशी वस्तु को अपनाना ।
* अंग्रेज़ों द्वारा दी गई उपाधी को वापस करना ।
* सरकारी कार्यालय स्कूल आदि को छोडना ।

2. सविनय अवज्ञा आंदोलन पर टिप्पणी लिखो ?

उत्तर -: * गांधी जी ने सन 1930 को दांडी नामक स्थान पर कानून तोडकर नमक का उत्पादन शुरु किया

* विद्यार्थियों ने स्कूल एवं कॉलेजों का बहिष्कार, विदेशी वस्तुओं की होली जलाना
*.स्वदेशी वस्तु को अपनाना
* हिंदू-मुस्लिम एकता पर बल देना ।

3 . अल्लूरी सीताराम राजू कौन थे? असहयोग आंदोलन में उनके योगदान को बताइए ?

उत्तर -: * अल्लूरी सीताराम राजू ने आंध्रप्रदेश की गुडेम पहाडियों के आदिवासी किसानों का नेतृत्व किया

* इन्हें खगोलीय ज्ञान प्राप्त था ।
* लोगों का मानना था कि उनके पास विशेष शक्तियाँ है जिससे वह लोगों को स्वस्थ कर सकते थे
* वे गांधीजी के प्रशंसक थे ।
* उन्होने लोगों को खादी पहनने तथा शराब छोडने को कहा ।
* लक्ष्य प्राप्त करने केलिए उन्होने हिंसा का मार्ग भी अपनाया ।
* 1924 अल्लूरी सीताराम राजू को फाँसी पर चढाया

4. सामूहिक अपनापन की यह भावना लोकगीत, गीत, प्रतीक, छवियों के संयुक्त संघर्ष भूमिका के माध्यम से आंशिक रूप में आया था । इस बयान का विश्लेषण करे -

उत्तर-

- 19 वीं सदी में भारतीय राष्ट्रवादी हरबोलों द्वारा भारत की लोकगाथाओं द्वारा भारतीय संस्कृति का उत्थान तथा राष्ट्रीयता की भावना का विकास, राष्टीय पहचान की खोज करने केलिए इस लोक परंपरा को बनाए रखना आवश्यक था ।
- स्वदेशी आंदोलन के दौरान एक तिरंगा झंडा, मध्य में कमल, एक अर्धचाँद,जो हिंदु मुस्लीम एकता का प्रतीक । बाद में स्वयं सहायता का प्रतिनिधित्व करते हुए चरखे को झंडे के मध्य में रखा गया।
- भारत माता की छवि बंकिमचंद्रचटोपाध्याय द्वारा बनायी गयी और बाद में अबनींद्र नाथ टैगोर ने भारत माता को शांत तपस्वी दिव्य और आध्यात्मिक रूप में चित्रित किया ।

अतिरिक्त प्रश्न:-

1."भारत में सविनय अवज्ञा अंदोलन के प्रति मुस्लिम राजनीतिक संगठन की उदासीन प्रतिक्रिया थी" ।क्यों?

2. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन मे जलियाँ वाला बाग नरसंहार का कया महत्व है?

3. अवध में किसान आन्दोलन की मुख्य माँगें क्या थी ? उसके नेता कौन थे ?

4. किसने हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकान आर्मी की स्थापना की ? इसकी उप्लब्धियाँ क्या क्या थी?

भारत के रूपरेखा / राजनीतिक मानचित्र में अंकित / पहचानिए :

1 **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रस सत्र** : कल्कट्टा (सितम्बर १९२०),नागपुर (दिसम्बर १९२०),मद्रास (१९२७) और लाहोर(१९२९)

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के महत्वपूर्ण केन्द्रों

1. चंपारण (बिहार) - नील बागान के श्रमिको का आन्दोलन
2. खेडा(गुजरात)- किसान सत्याग्रह
3. अहमदाबाद (गुजरात)- कॉटन मिल श्रमिको का सत्याग्रह
4. अमृतसर (पंजाब) - जालियां वाला बाग- हत्याकांड
5. चौरी चौरा (उत्तर प्रदेश)- असहयोग आन्दोलन वापस लाने का फैसला
6. बारडोली (गुजरात) - कर न देने का अभियान
7. दांडी (गुजरात)- सविनय अवज्ञा आन्दोलन की शुरुआत

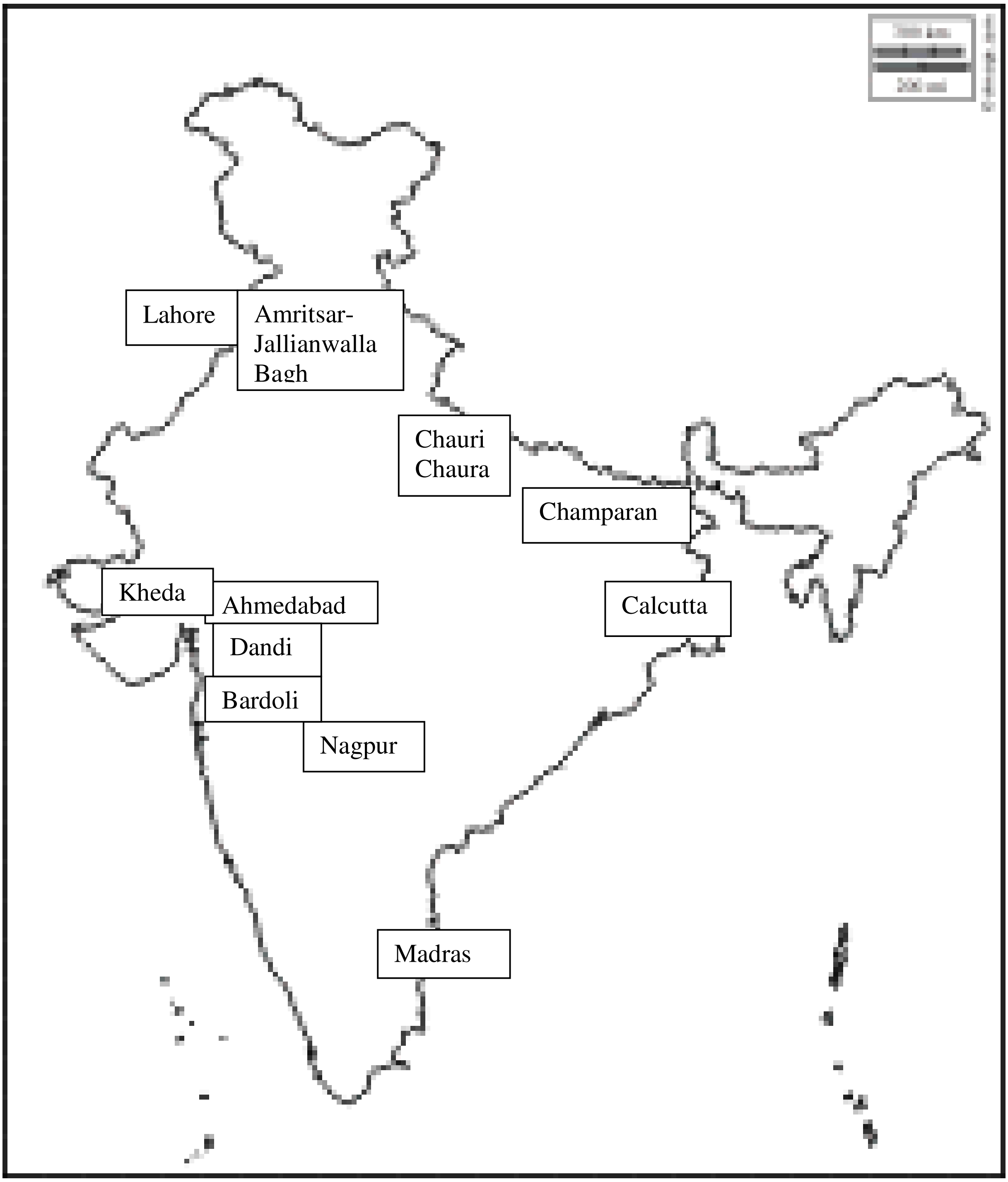

Lahore
Amritsar-Jallianwalla Bagh
Chauri Chaura
Champaran
Kheda
Ahmedabad
Dandi
Bardoli
Nagpur
Calcutta
Madras

अध्याय-5

<u>खनिज और ऊर्जा संसाधन</u>

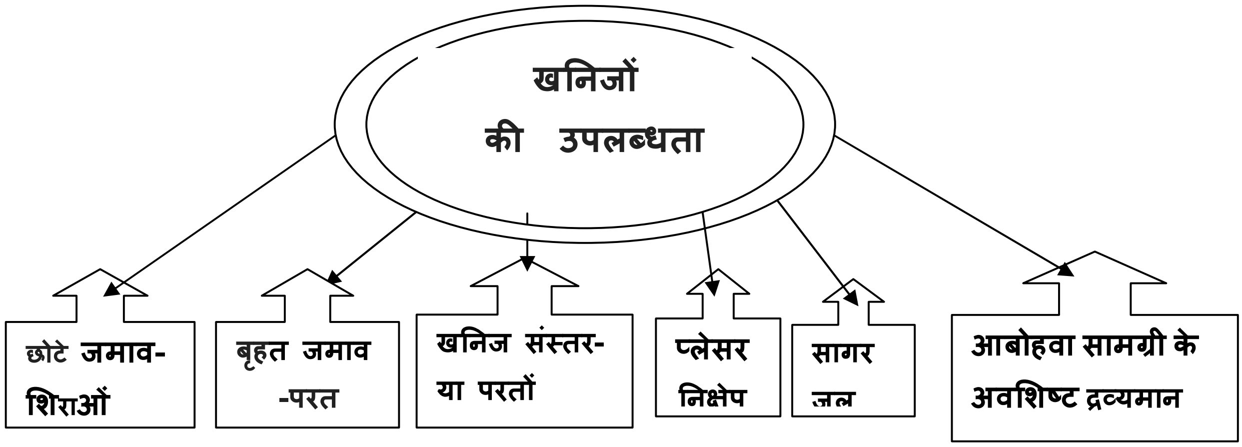

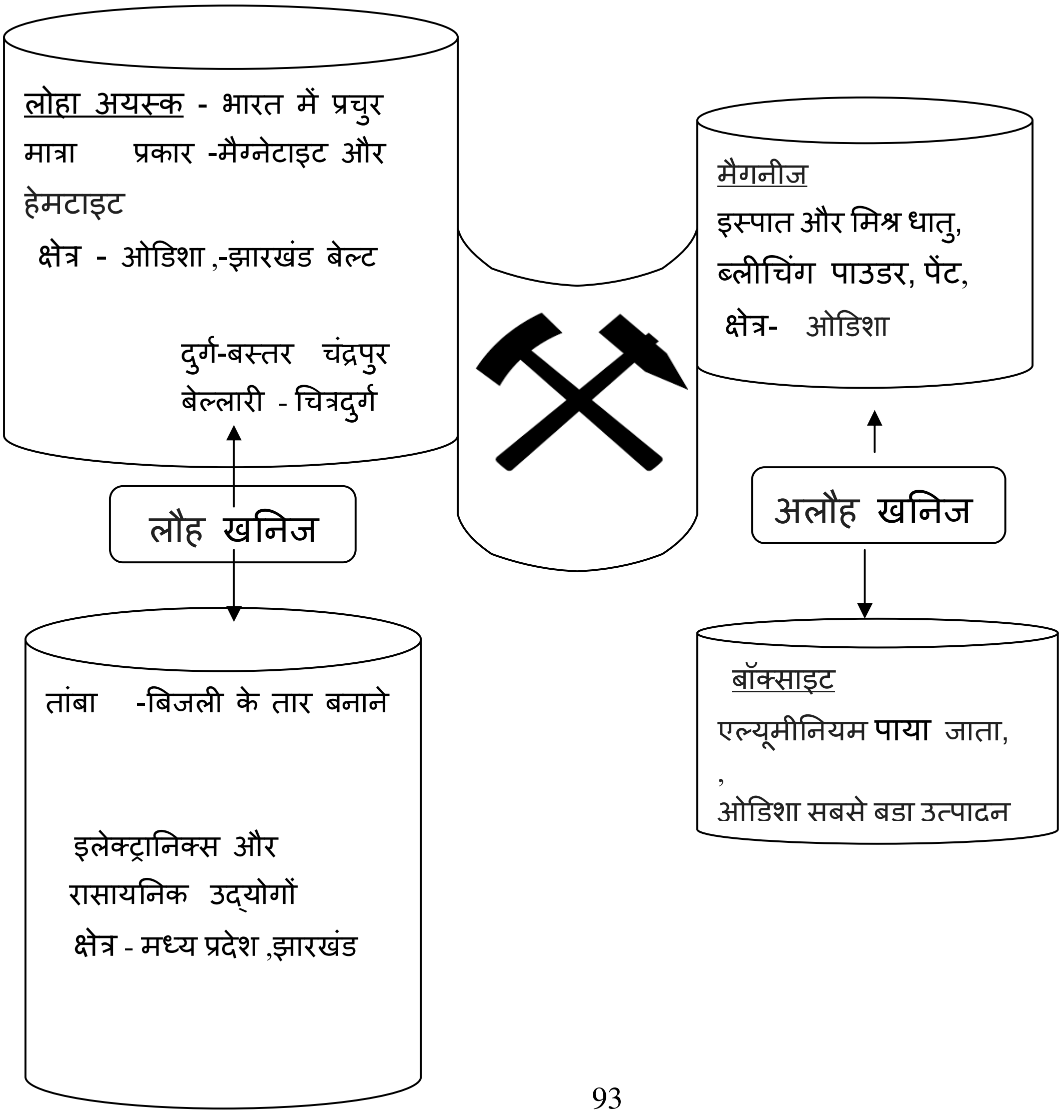

ऊर्जा संसाधन

गैर-पारंपरिक ऊर्जा　　　　　　　　　　पारंपरिक ऊर्जा

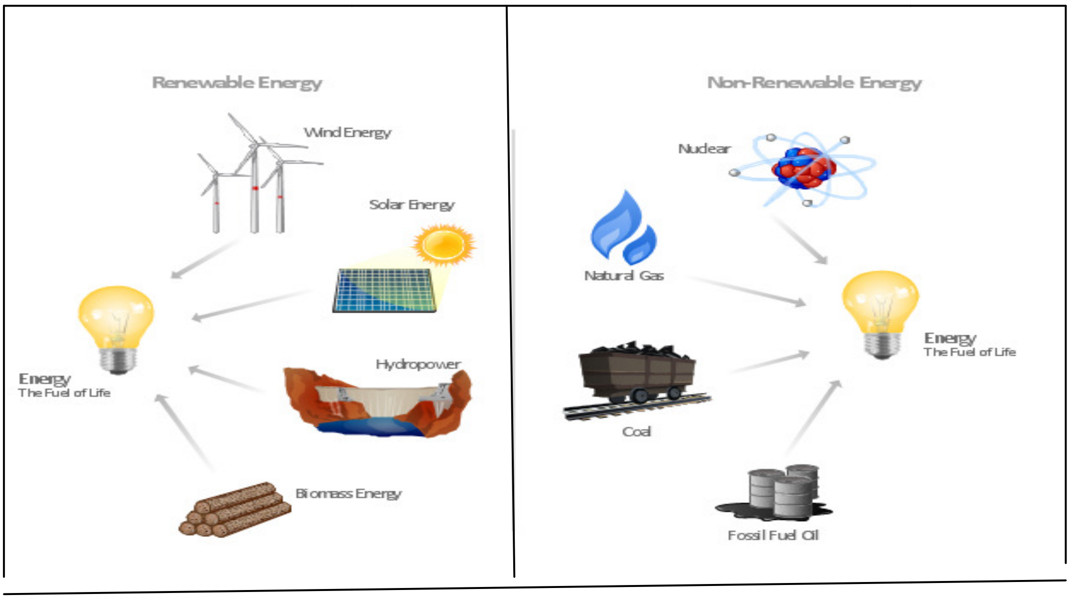

मुख्य बिंदु याद रखने

1. <u>प्लेसर निक्षेप</u> - खनिज जो जलोढ़ जमाव में पाए जाते हैं। जैसे सोना, चांदी, टिन आदि
2. <u>रेट होल खनन</u> -खनन एक लंबे संकीर्ण सुरंग के रूप में किया जाता है।उत्तर-पूर्व भारत के आदिवासी क्षेत्रों व्यक्तियों या समुदायों द्वारा किया जाता।
3. <u>मैग्नेटाइट-</u> उच्च कोटि लोहे अयस्क है। यह 70 % लोहाशं । यह सर्वश्रेष्ठ चुंबकीय गुण, विद्युत उद्योग में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

4 हेमेंटाइट - 50-60% लोहाशं। यह मैग्नेटाइट लोहे की तुलना से कम होते है।

1) अभ्रक के दो उपयोग लिखें ?और अभ्रक जमा करने के प्रसिद्ध क्षेत्रों के नाम लिखें ।
विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उद्योग में ।

क्षेत्रों -

- गया -हजारीबाग - झारखंड
- अजमेर और बेव - राजस्थान

2 कोयला के तीन प्रकार क्या होते हैं ?कोयला के प्रत्येक प्रकार के एक अंतर लिखें?

- लिग्नाइट कोयला- निम्न कोटि भूरा - तमिलनाडु में नेवेली)
- बिटुमिनस कोयला -यह कार्बन के अशं % 80-60 शामिल हैं। वाणिज्यिक **प्रयोग** में लोकप्रिय
- एन्थ्रेसाइट -सर्वोत्तम गुण वाला। कार्बन के अशं %80 से अधिक होता है।

3 भू - तापीय ऊर्जा क्या हैं ? भारत में भूतापीय ऊर्जा के दो प्रायोगिक परियोजनाएं कहां है?
पृथ्वी के आंतरिक भागों से ताप का **प्रयोग** कर, **उत्पन्न** की जाने वाली विद्युत।
हिमाचल प्रदेश में मणिकरण के पास पार्वती घाटी और लद्दाख में पूगा घाटी।

4 खनन गतिविधि को अक्सर एक" खूनी उद्योग" क्यों कहा जाता है। तीन कारण दीजिए।

- उच्च जोखिम।
- हानिकारक धुएं के कारण ,फेफड़े के रोग।
- खादानों की छत गिरना ,और कोयला के खानों में आग लगना।
- जल स्रोतों दूषित होना ।

6 राजस्थान में सौर ऊर्जा के स्रोत गैर-पारंपरिक ऊर्जा के रूप में क्यों संभावित है?

- गर्म और शुष्क क्षेत्र
- साफ आसमान लगभग पूरे साल
- सस्ता स्थापना
- नवीकरण योग्य ऊर्जा और प्रदूषण मुक्त ऊर्जा स्रोत है।
- सरकार की प्रेरणा।

7 हम ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण कैसे कर सकते हैं ?समझाना

- सार्वजनिक वाहन का उपयोग।
- जब **प्रयोग** न हो रही **तो** बिजली बंद करना ।
- बिजली की बचत वाले उपकरणों के उपयोग।
- ऊर्जा के गैर परंपरागत स्रोत के उपयोग ।
- ऑटोमोबाइल विद्युत मोटर्स पेश किया जाना चाहिए।
- ऊर्जा के नए स्रोतों के तेज अन्वेषण और अनुसंधान।

अध्याय-6

विनिर्माण उद्योग

औद्योगिक **अव**स्थिति

प्राकृतिक कारक

- कच्चे माल की उपलब्धता
- जलवायु
- पानी
- भूमि

मानव कारक

- श्रम
- बिजली
- मशीन
- बाजार
- परिवहन
- सरकारी नीतियाँ ।

न्यूनतम उत्पादन लागत
Least Production)
(cost

उद्योगों का वर्गीकरण

कच्चे माल के आधार पर

- कृषि - आधारित
- खनिज- आधारित

भूमिका के आधार पर

- आधारभूत / कुंजी उद्योग
- उपभोक्ता उद्योग

पूंजी निवेश के आधार

- बृहत उद्योग
- लघु उद्योग

स्वामित्व के आधार पर

- सार्वजनिक उद्योग
- निजी उद्योग
- संयुक्त उद्योग
- सहकारी उद्योग

कच्चे तथा तैयार माल व भार के आधार

- भारी उद्योग
- हल्के उद्योग

विनिर्माण के महत्व -

- कृषि आधुनिकीकरण वाणिज्यिक व्यापार को बढावा ,
- बेरोजगारी और गरीबी उन्मूलन ,आर्थिक विकास

मुख्य बिंदु याद रखने

- .विनिर्माण उद्योग - कच्चे माल को मूल्यवान उत्पाद में परिवर्तित कर अधिक मात्रा में वस्तुओं के उत्पादन ।
- (एन .एम .सी .सी) .राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता परिषद- (यह सरकार द्वारा स्थापित । औद्योगिक उत्पादन में बढ़ोतरी के प्रयास
- बृहत उद्योग - किसी भी उद्योग एक करोड़ से अधिक निवेश ।
- लघु उद्योग लघु पैमाने उद्योग -निवेश एक करोड़ रुपए तक ।

प्रश्न और उत्तर (3 अंक))

- 1 समूहन बचत क्या है(agglomeration economies) ?
  नगर केन्द्रों द्वारा दी गई सुविधाओं से लाभान्वित कई बार बहुत से उद्योग नगरों के आस- पास केंद्रित होना

2.) भारत में सूती कपड़ा मिलों के विकेन्द्रीकरण के लिए जिम्मेदार कारक कौन से हैं?

(i) सूती कपड़ा पूरे देश में बहुत अधिक मांग है।

(Ii) बैंकिंग, बिजली, परिवहन जैसे प्रमुख आदानों देश के लगभग हर हिस्से में उपलब्ध हैं।

(Iii) वस्त्र उद्योग श्रम प्रधान उद्योग है और श्रम भारत में आसानी से उपलब्ध है।

(Iv) वस्त्र उद्योग कम तकनीकी जानकारी और सरल उपकरणों और मशीनों का उपयोग किया जा सकता है।

3) भारत में सूती वस्त्र उद्योग की प्रमुख समस्याओं क्या- क्या हैं?

(i) लम्बे रेशेवाली कपास की कमी।

(ii) बिजली की आपूर्ति की कमी।

(iii) पुरानी मशीनरी और प्रौद्योगिकी।

(iv) श्रमिकों की कम उत्पादन।

(V) कड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा ।

4) हुगली बेसिन में जूट उद्योग के लिए अनुकूल कारक क्या हैं

1. जूट उत्पादक क्षेत्रों की निकटता ।
2 . सस्ती जल परिवहन।
3. सड़कों, रेल और जलमार्ग का अच्छा नेटवर्क।
4. प्रचुर मात्रा में पानी।
5. निकट के क्षेत्र से सस्ते श्रम।
6. कोलकाता में बैंकिंग सुविधाएं।

5) राष्ट्रीय जूट नीति, 2005 का प्रमुख उद्देश्य क्या थे? जूट के लिए आंतरिक मांग क्यों बढ़ती जा रही है?

प्रमुख उद्देश्य-

(i) उत्पादकता बढ़ाने के लिए।

(Ii) गुणवत्ता में सुधार करने के लिए।

(Iii) किसानों के लिए अच्छे दाम सुनिश्चित करना।

(iv) जूट के आंतरिक मांग बढ़ती जा रही है ।

(क) जूट पैकेजिंग का इस्तेमाल अनिवार्य करने की सरकार की नीति

(ख) पर्यावरण के अनुकूल जैव सड़ सकने सामग्री के लिए बढ़ती चिंता

6) लोहा और इस्पात उद्योग एक आधारभूत उद्योग क्यों कहा जाता है?

(i) यह उद्योग अन्य उद्योगों के तेजी से विकास के रूप में की नींव देता है उदाहरण के भारी इंजीनियरिंग, रक्षा उपकरणों, ऑटोमोबाइल,विमानों आदि

(Ii) यह उद्योग रोजगार प्रदान करने में सहायक है।

(Iii) यह उद्योग विकास में मदद करता है।

7 . गत वर्षों में चीनी मिलें उत्तर से दक्षिण में स्थानान्तरण के मुख्य के कारण क्या है

(i) गन्ने में चीनी की मात्रा, महाराष्ट्र और अन्य दक्षिणी राज्यों में उच्च है।

(Ii) गन्ने की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु है।

(Iii) दक्षिण में उत्तर की तुलना बेहतर निर्यात की सुविधा है।

(Iv) दक्षिण भारत में सहकारी समिति अधिक सफल रहे हैं।

9. उद्योगों द्वारा पर्यावरण क्षरण /प्रदूषण को कम करने के लिए क्या कदम लिया जा सकता है

- जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को सीमित और जल विद्युत का उपयोग कर
- धूम्रपान के ढेर के साथ कारखानों में इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर्स, फिल्टर, स्क्रबर और जड़त्वीय विभाजक के फिटिंग।
- औद्योगिक अपशिष्ट का उपचार
- ध्वनि प्रदूषण कम करने के लिए जनरेटर के साथ साइलेंसर उपयोग किया जा सकता

अध्याय -7

<u>राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं</u>

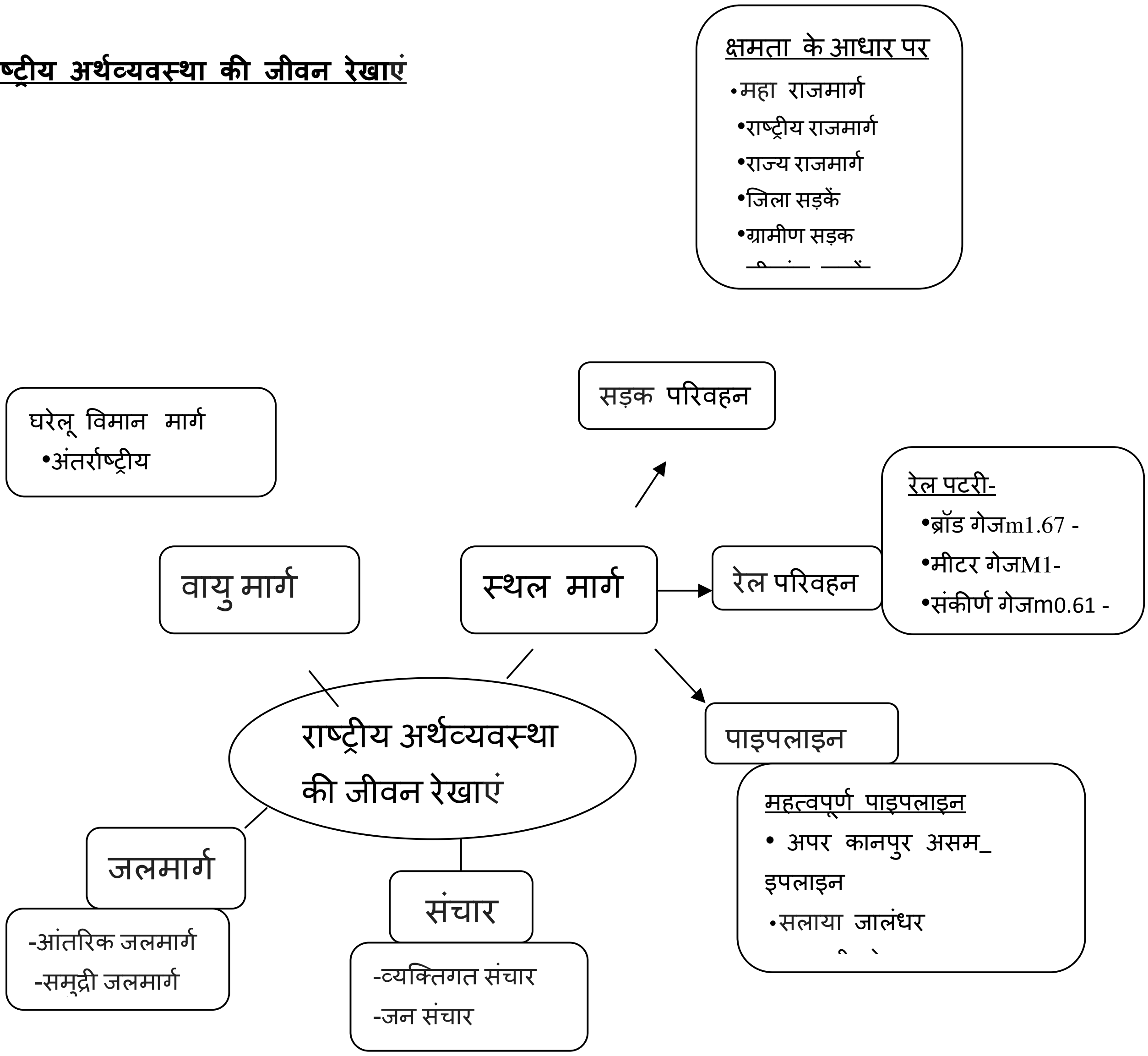

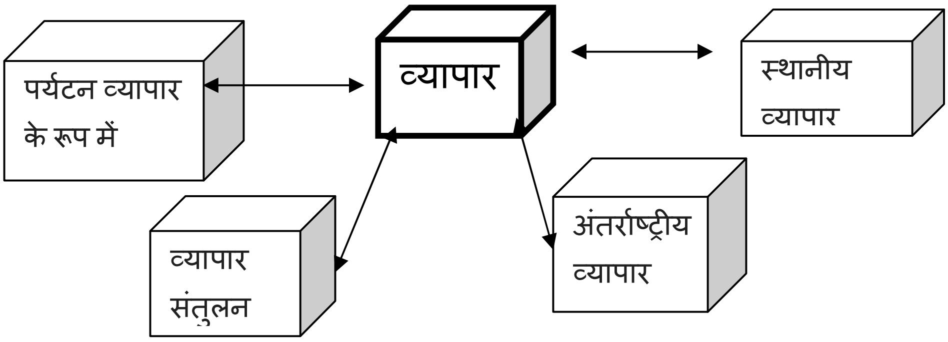

बिंदु याद रखने

1.सड़क घनत्व - प्रति 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सड़कों की लंबाई ।

2. स्वर्णिम चतुष्कोण महा राजमार्ग यह छह लेन महा राजमार्ग है सड़क विकास परियोजना है जो चार महानगरों- दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई से जोड़ने वाली महा राजमार्ग ।

3 उत्तर-दक्षिण गलियारा- श्रीनगर से कन्या कुमारी जोड़ने वालें सड़कें ।

4 ईस्ट-वेस्ट गलियारा - सिलचर (असम (तथा पोरबंदर (गुजरात) जोड़ने वालें सड़कें

5. राष्ट्रीय महामार्ग - राज्यों की राजधानियों और देश के प्रमुख महानगरों को जोड़ने वालें सड़कें।

6. राज्य महामार्ग - सड़कें जो राज्य की राजधानी से प्रमुख नगरों या गांवों को जोड़ने वालें सड़कें।

7. अंतरराष्ट्रीय व्यापार - दो देशों के बीच व्यापार।

8. व्यापर संतुलन -यह एक देश के निर्यात और आयात के बीच अंतर है।

1 .उत्तर-पूर्वी राज्यों में वायु परिवहन अधिक महत्वपूर्ण क्यों है?

असमान और पहाड़ी इलाके ,घने जंगलों ,बड़ी नदियां ,निरंतर बाढ़ ,अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की उपस्थिति।

2. जलमार्ग के तीन लाभ बताओ?

सबसे सस्ता परिवहन ,ऊर्जा सक्षम ,पर्यावरण के अनुकूल ,भारी माल ले जा सकता है।

.3 तीन राष्ट्रीय जलमार्ग के नाम लिखें ।

क . नौगम्य जलमार्ग संख्या - .1-हल्दिया तथा इलाहाबाद के मध्य गंगा जलमार्ग

ख . नौगम्य जलमार्ग संख्या - 2-सादिया और धुबरी के मध्य ब्रह्मपुत्र जलमार्ग

ग. नौगम्य जलमार्ग संख्या - 3-केरल में पश्चिमी तटीय नहर।

प्रश्न और 5 अंक का जवाब

4. भारतीय रोडवेज द्वारा सामना कर रहे समस्याओं क्या - क्या हैं?

1. सड़क नेटवर्क यातायात की मात्रा बढ़ाने के लिए अपर्याप्त है।
2. सड़कों के बारे में आधे से कच्ची हैं।
3. राष्ट्रीय राजमार्ग अपर्याप्त हैं और खराब रखरखाव कर रहे हैं।
4. रोडवेज अत्यधिक शहरों में भीड़भाड़ हैं और सुरक्षा उपायों की कमी है।
5. पुलों और पुलियों के सबसे पुराने और संकीर्ण हैं।
6. उचित सुरक्षा उपायों के अभाव

5 भारतीय रेल द्वारा सामना कर रहे चुनौतियां क्या - क्या हैं?

उ .1यात्रियों की संख्यां तथा माल की मात्रा बढ़ाने की सक्षमता बढ़ाना।

2. यात्री और मालमालगाड़ी की गति बढ़ाना ताकि समय की बचत हो

3 रेलवे की संपत्ति की चोरी

4 बढ़ती रेल दुर्घटनाओं को नियंत्रण करना

5 टिकट के बिना यात्रा

6 देश के परिवहन और संचार जीवन रेखा क्यों कहा जाता है?

(I) देश के दूर -दूर क्षेत्रों को जोड़ता।

(Ii) व्यापार और वाणिज्य के विकास में मदद।

(Iii) कृषि और उद्योग के विकास में मदद ।

(Iv) आपदाओं के दौरान सहायक।

(v) देश में रहने वाले लोगों के संपर्क में रहना।

(V) देश की एकता को बढ़ावा देता।

INDIA-MINERALS

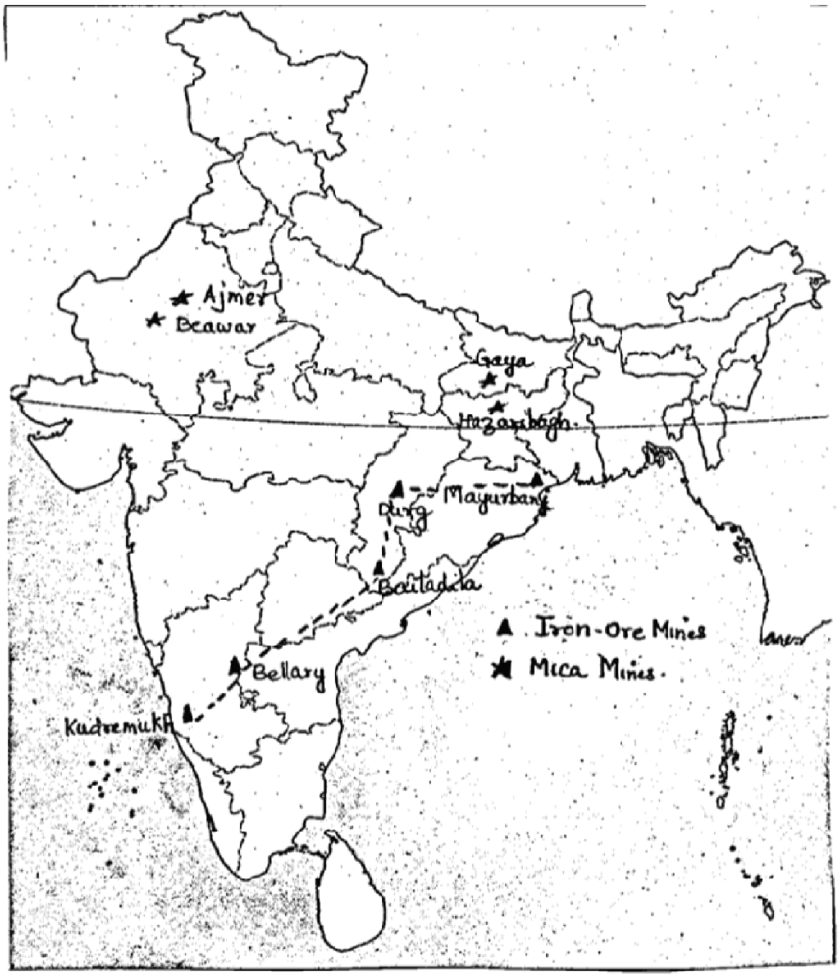

4

INDIA-MINERALS

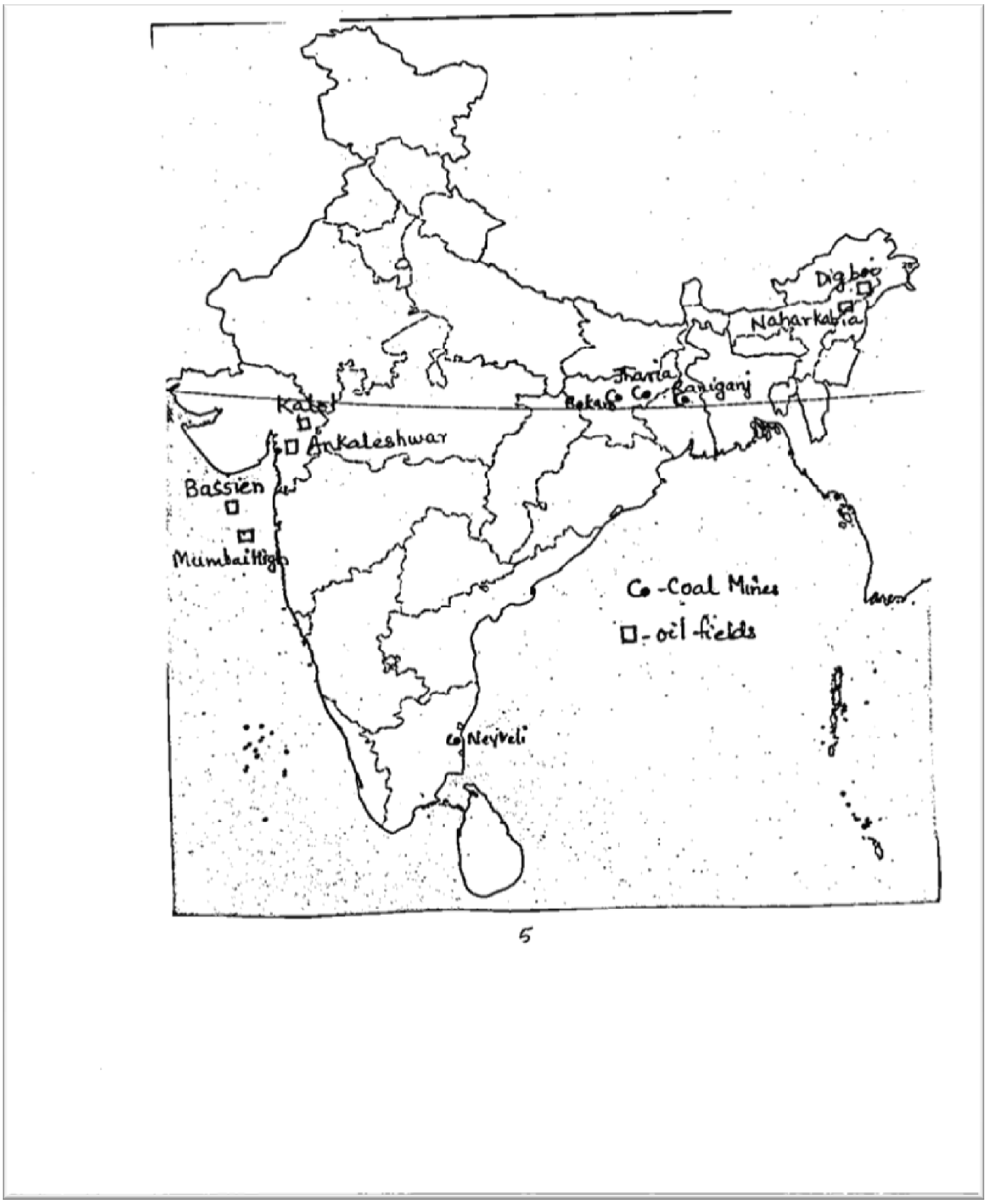

INDIA-NUCLEAR AND THERMAL PLANT

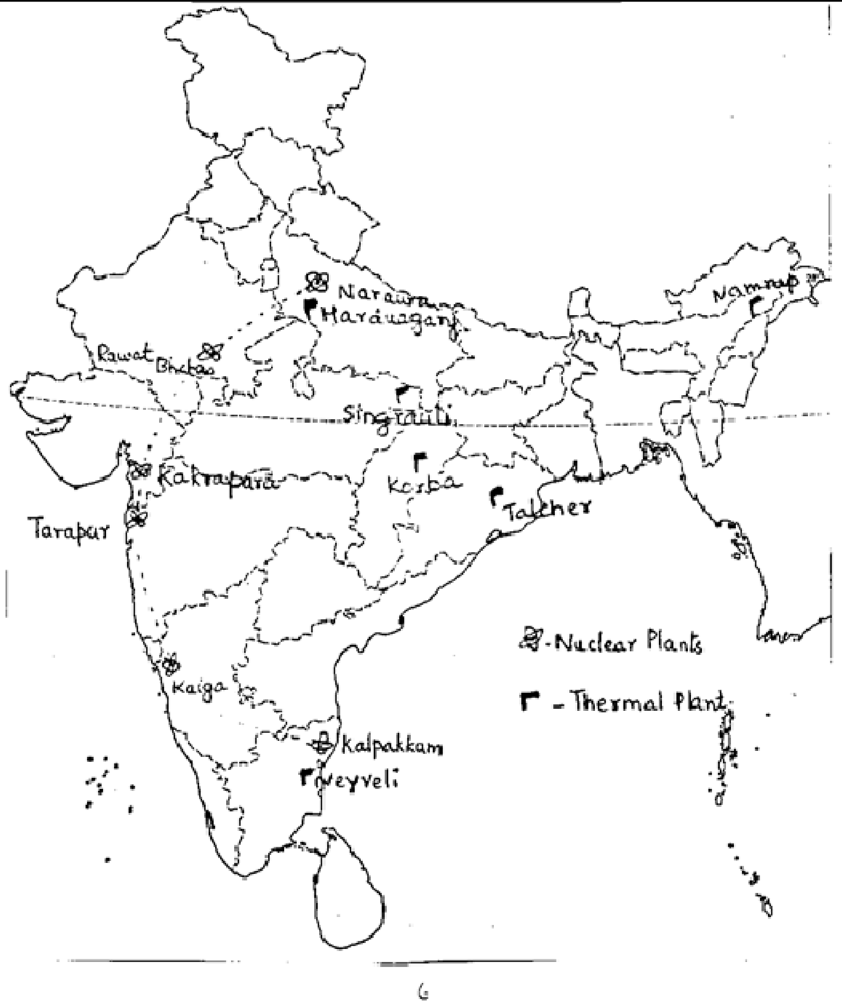

INDIA-TECHNOPARK

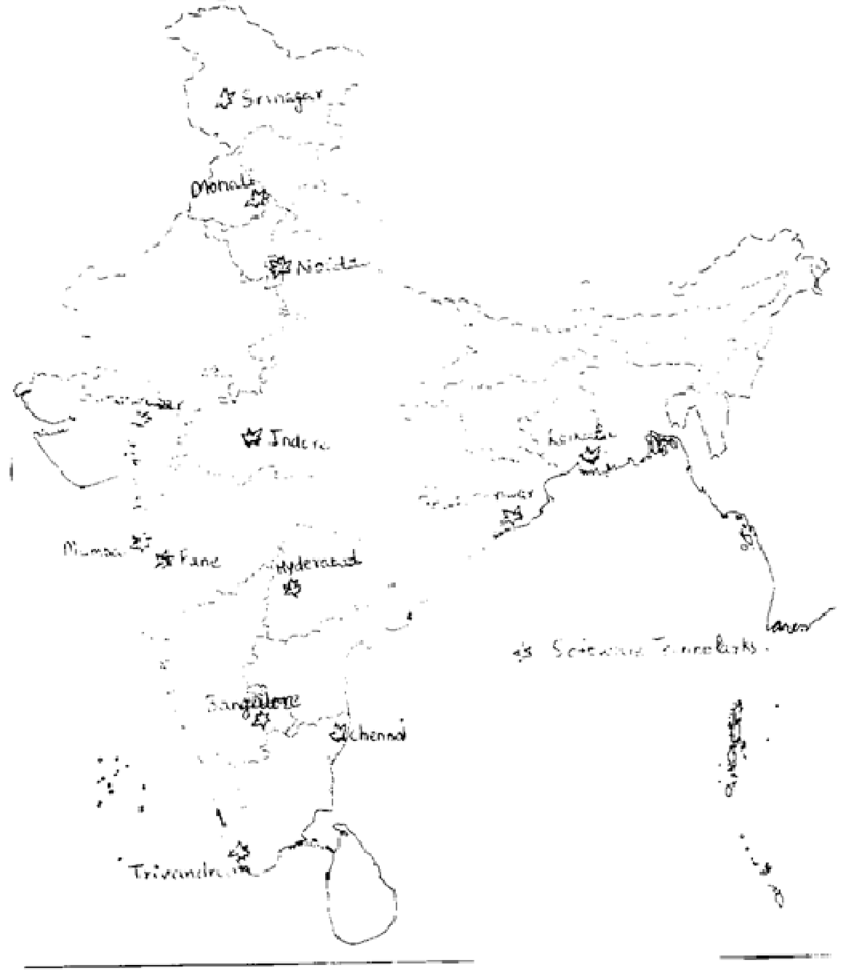

INDIA-SUPER HIGH WAYS

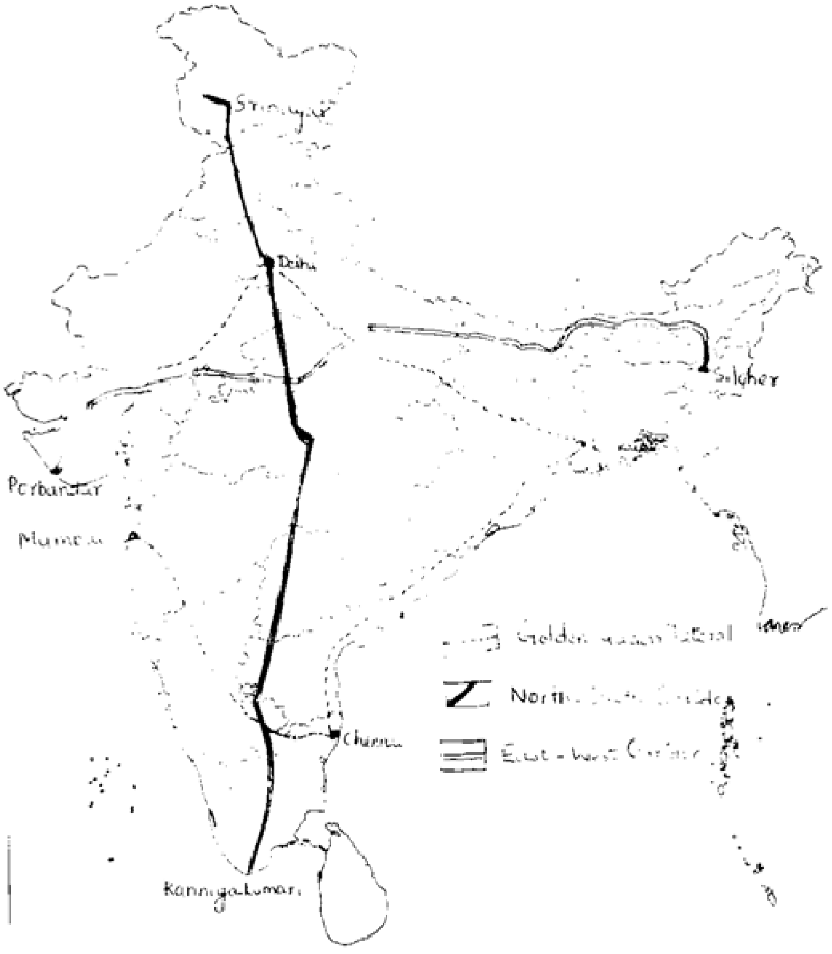

INDIA- TEXTILE CENTRE

INDIA-IRON AND STEEL PLANT

@@@@@-----------------------@@@@@@

अध्याय 5

लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन

1) नेपाल में लोकतंत्र के लिए आंदोलन - अप्रैल 2006

- 1990 में लोकतंत्र जीता - राजा औपचारिक रूप से राज्य के प्रमुख बने रहे।
- वे वास्तविक शक्ति निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ थे -
- राजा बीरेंद्र संवैधानिक राजशाही को स्वीकार कर लिया है - लेकिन 2001 में मारे गए
- नए राजा ज्ञानेंद्रने लोकतांत्रिक शासन को स्वीकार नहीं किया था -
- 2005 में उन्होंने प्रधानमंत्री को खारिज कर दिया और निर्वाचित सरकार को भंग कर दिया।
- 2006- लोकप्रिय आंदोलन -लोकतंत्र हासिल करने के लिए
- SPA (सात पार्टी गठबंधन) काठमांडू में चार हड़ताल -
- माओवादी विद्रोहियों और अन्य संगठन के साथ शामिल होने के - बड़े पैमाने पर हड़ताल - 24 अप्रैल का वर्ष 2004 राजा उनकी मांगों पर सहमति व्यक्त की।

2) SPA द्वारा किए गए तीन मांगों

- संसद को बहाल किया जाय
- सर्वदलीय सरकार बने
- नयी संविधान सभा का गठन हो |

3) बोलीविया के जलयुद्ध - (लैटिन अमेरिका)

कारण बोलिविया में पानी के निजीकरण→ विश्व बैंक ने यहाँ कि सरकार पर नगरपालिका द्वारा की जा रही जलापूर्ति से अपना नियंत्रण छोड़ने के लिए दबाव डाला | सरकार ने कोचबम्बा शहर में जलापूर्ति के अधिकार एक बहुराष्ट्रीय कंपनी को बेच दिए |

क) सन् 2000 की जनवरी में श्रमिकों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं तथा सामुदायिक नेताओं के बीच एक गठबंधन ने शहर में चार दिनों की कामयाब आम हड़ताल की |

ख) जनता की ताकत के आगे बहुराष्ट्रीय कंपनी के अधिकारियों को शहर छोडकर भागना पड़ा | सरकार को आंदोलनकारियों की सारी माँगें माननी पड़ी| बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ किया गया करार रद्द कर दिया गया और जलापूर्ति दुबारा नगरपालिका को सौंपकर पुरानी दरें कायम कर दी गई |

ख) पानी की कीमत चार गुना की वृद्धि हुई। (पानी के बिल के आरोपों की वृद्धि हुई 1000- लेकिन एक व्यक्ति की औसत आय 5000 A महीने राज्यसभा)

परिणाम -

क) 4 दिन की हड़ताल समुदाय द्वारा आयोजित, मानवाधिकार और श्रम संगठन -

FEDECOR (पर्यावरणविदों, इंजीनियर, किसानों, मध्यम वर्ग के छात्रों को विश्वविद्यालय)

ख) जनता की ताकत के आगे बहुराष्ट्रीय कंपनी के अधिकारियों को शहर छोडकर भागना पड़ा | सरकार को आंदोलनकारियों की सारी माँगें माननी पड़ी| बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ किया गया करार रद्द कर दिया गया और जलापूर्ति दुबारा नगरपालिका को सौंपकर पुरानी दरें कायम कर दी गई |

4) दबाव समूहों और अपने काम -

जो संगठन सरकार की नीतियों को प्रभावित करती है, लेकिन वे सीधे नियंत्रण के लिए या का हिस्सा नहीं है | आम कब्जे, ब्याज या आकांक्षाओं के साथ जैसे लोगों द्वारा -बने राजनीतिक शक्ति रेलवे संघों, शिक्षक संघों।

5) आंदोलन → शराब विरोधी आंदोलन, महिला आंदोलन, पर्यावरण आंदोलन

एक व्यापक उद्देश्य आंदोलन का हिस्सा ढीला संगठन कर रहे हैं - अधिक अनौपचारिक और लचीला - सहज बड़े पैमाने पर भागीदारी विशिष्ट आंदोलनों के रूप में शुरू किया - सीमित फ्रेम काम में एक उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए

(नेपाल आंदोलन)

जनरल या सामान्य आंदोलन: - व्यापक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए

एक स्पष्ट नेता और कुछ संगठन

6) राजनीतिक दलों और दबाव समूहों और आंदोलनों के बीच संबंध -

→ दबाव समूहों का गठन या तो या राजनीतिक दलों के नेताओं द्वारा नेतृत्व कर रहे हैं|

→ (छात्रों यूनियनों कुछ पार्टी से संबद्ध कर रहे हैं)

→ यूथ कांग्रेस

→ राजनीतिक दलों के आंदोलनों से उत्पन्न होते हैं|

क) असम गण परिषद - असम में छात्रों के आंदोलन से उत्पन्न होता है|

ख) DMK- एक लंबा खींचा सामाजिक आंदोलन के बाद गठन किया गया था |

→ राजनीतिक दलों के नए नेतृत्व के सबसे अधिक ब्याज या आंदोलन समूहों से आते हैं |

7) **राजनीतिकदल:** - संगठन जो लोगों को एक साथ लाने के लिए राजनीतिक सत्ता को जीतने के लिए।

8) लोकतंत्र में दबाव - समूह और आंदोलन के गुण-दोष

गुण	दोष
(i) लोकतंत्र इसपर निर्भर करने के लिए	(i) लोकतंत्र के हित नहीं देख सकते हैं |

देख सकते हैं |

(ii) सरकार धनी या शक्तिशाली के अनुमान के दायरे में आ सकते हैं - लोगों के प्रति जवाबदेह नहीं हैं |	(ii) दबाव समूहों राजनीतिक दलों की तरह दबाव समूह की जरूरतों को याद दिलाकर जांच कर सकते हैं।
(iii) सरकार नागरिकों के विभिन्न वर्गों की जरूरतों की अवगत कराते हैं	(iii) जिम्मेदारी के बिना शक्ति
(iv) परस्पर विरोधी हितों के बीच सामंजस्य बैठाना संभव है|	(iv) पर्याप्त धन और संकुचित एजेंडे पर वे सार्वजनिक बहस का रूख मोड़ने में सफल होते है |

निम्नलिखित प्रश्नोत्तर जवाब (3 अंक)

1. नेपाल के लोकप्रिय संघर्ष का परिणाम क्या थे?

उ: i) राजा मांगों को स्वीकार करने के लिए बाध्य हुआ ।

ii) अंतरिम सरकार के। नई पी.एम. के रूप में गिरिजा प्रसाद कोइराला चुना गया।

iii) संसद फिर बहाल हुई और इसने अपनी बैठक में कानून पारित किए| इन कानूनों के सहारे राजा की अधिकांश शक्तियाँ वापस ले ली गई|

2. नेपाल और बोलीविया में आंदोलनों के बीच कोई तीन समानताएँ क्या है?

उ: i) ये दो कथाएँ राजनीतिक संघर्ष का उदाहरण हैं।

ii) दोनों घटनाओं में जनता बड़े पैमाने पर लामबंद हुई |

iii) दोनों घटनाओं में राजनीतिक संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका निर्णायक रहीं।

3. बोलिविया में पानी के निजीकरण के खिलाफ विरोध संघठन की रचना लिखें?

उ: i) बोलिविया में पानी के निजीकरण के विरोध में किसी भी राजनीतिक दल के नेतृत्व में नहीं किया गया था। यह था नेतृत्व FEDECOR।

ii) इस संगठन के इंजीनियरों और पर्यावरणविदों सहित स्थानीय पेशेवरों शामिल थे।

iii) इस संघठन को सिंचाई पर निर्भर किसानों के एक संघ, कारखाने के मजदूरों के संघठन कोचंबाबा विश्वविद्यालय के छात्रों का संघ

4. एक दबाव समूह और एक राजनीतिक पार्टी के बीच क्या अंतर है?

उ: i) दबाव समूह सरकार के नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश करते है|

ii) इन का लक्ष्य सत्ता पर प्रत्यक्ष नियंत्रण करने अथवा उसमें हिस्सेदारी करने का नहीं होता |

iii) एक समान उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए एकजुट होते है |

iv) राजनीतिक दल जो चुनाव लड़ने और सरकार में राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करता है |

5. सार्वजनिक हित समूह क्या हैं? वे जनता के हितों को कैसे संभालते हैं?

उ: जन सामान्य के हित-समूह अथवा लोक कल्याणकारी समूह कहते है| इनका लक्ष्य अपने सदस्यों की नहीं बल्कि किन्हीं और की मदद करना होता है |

उदाहरण के लिए 'बामसेफ' (बैकवर्ड एंड मईनोरीटी कम्युनिटीज़ एम्पलाईज़ फेडरेशन -BAMCEF) का नाम लिया जा सकता है| यह मुख्यतया सरकारी कर्मचारियों का संगाठन है जो जातिगत भेदभाव के खिलाफ़ अभियान चलाता है| मुख्य सरोकार सामाजिक न्याय और पूरे समाज के लिए सामाजिक समानता को हासिल करना है|

6. वर्ग विशेष के हित समूह क्या हैं? वे जन-सामान्य के हित समूहों से कैसे अलग है?

उ: ये दबाव-समूह वर्ग-विशेषी होते है क्योंकि ये समाज के किसी खास तबके मसलन मज़दूर, कर्मचारी, व्यवसायी, उद्योगपति, धर्म-विशेष के अनुयायी अथवा किसी खास जाति के प्रतिनिधित्व करते है | ऐसे दबाव-समूह का मुख्य सरोकार पूरे समाज का नहीं बल्कि अपने सदस्यों की बेहतरी और कल्याण करना होता है |

7. दबाव - समूह और अंदोलन राजनीति पर कैसे असर डालते है?

i) दबाव - समूह और अंदोलन अपने लक्ष्य तथा गतिविधियों के लिए जनता का समर्थन और सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करते है | ऐसे अधिकार समूह मीडिया को प्रभावित करने की कोशिश करते है ताकी उनके मसलों पर मीडिया ज़्यादा ध्यान दे|

ii) ऐसे समूह अक्सर हड़ताल अथवा सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाने जैसे उपायों का सहारा लेते है|

iii) व्यवसाय समूह अक्सर पेशेवर 'लॉबिस्ट' नियुक्त करते है अथवा महंगे विज्ञापनों का प्रयोग करते है |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न [5Marks]

1. 'लोकतंत्र के लिए दूसरी आंदोलन' नेपाल जन-संघर्ष के बारे में संक्षिप्त में लिखें|

i) नेपाल आंदोलन अप्रैल 2006 में जो लोकतंत्र बहाल करने के उद्देश्य से किया गया में जगह ले ली। नेपाली राजा बीरेंद्र 2. 2001 में मारा गया था।

ii) नए राजा ज्ञानेंद्र लोकतांत्रिक शासन को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

iii) फरवरी 2005 में राजा ने प्रधानमंत्री को खारिज कर दिया और लोकप्रिय निर्वाचित संसद को भंग कर दिया।

iv) सभी संसद में प्रमुख राजनीतिक दलों SPA का गठन किया और काठमांडू में एक चार दिन की हड़ताल का आहवान किया।

v) इस हड़ताल 3 से 5 लाख लोगों के साथ माओवादियों के शामिल होने के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल गया।

vi) 24 अप्रैल 2006 को राजा के लोगों की मांग को स्वीकार करने के लिए मजबूर किया गया था। स्पा नई पी.एम. के रूप में गिरिजा प्रसाद कोइराला चुना अंतरिम सरकार के।

2. दबाव समूहों और आंदोलनों लोकतंत्र को किस तरह प्रभावित करते है ?

i) लोकतंत्र इसपर निर्भर करने के लिए

ii) सरकार धनि या शक्तिशाली के अनुमान के दायरे में आ सकते हैं - दबाव समूहों सरकार आम की जरूरतों को याद दिलाने के द्वारा यह जांच कर सकते हैं।

iii) सरकार नागरिकों के विभिन्न वर्गों की जरूरतों की अवगत कराते हैं

iv) परस्पर विरोधी हितों के बीच सामंजस्य बैठाना संभव है|

3. बोलीविया में जनसंघर्ष - वर्णन करो |

उ: क) विश्व बैंक ने यहाँ की सरकार पर नगरपालिका द्वारा की जा रही जलापूर्ति से अपना नियंत्रण छोड़ने के लिए दबाव डाला | सरकार ने कोचबम्बा शहर में जलापूर्ति के अधिकार एक बहुराष्ट्रीय कंपनी को बेच दिए |

ख) सन् 2000 की जनवरी में श्रमिकों, मानवाधिकार कार्य कर्ताओं तथा सामुदायिक नेताओं के बीच एक गठबंधन ने शहर में चार दिनों की कामयाब आम हड़ताल की |

ग) जनता की ताकत के आगे बहुराष्ट्रीय कंपनी के अधिकारियों को शहर छोडकर भागना पड़ा | सरकार को आंदोलनकारियों की सारी माँगें माननी पड़ी| बहुराष्ट्रीय कंपनी के साथ किया गया करार रद्द कर दिया गया और जलापूर्ति दुबारा नगरपालिका को सौंपकर पुरानी दरें कायम कर दी गई |

प्रश्न बैंक

1. 'नेपाल के जनसंघर्ष को"नेपाल के दूसरे लोकतंत्र' के रूप में क्यों जाना जाता है?
2. माओवादियाँ कौन थे? नेपाल के दूसरे लोकतंत्र में उनकी भूमिका क्या थी?
3. आंदोलन तथा दबाव समूह में क्या अंतर है ?
4. RTI- अधिनियम 2005 का क्या महत्व है?
5. वर्ग - विशेष के हित-समूह और जन-सामान्य के हित-समूह लोकतंत्र में ज़रूरी है-क्यों?

अध्याय 6

राजनीतिक दल

1. **राजनीतिक दल- जो चुनाव लड़ने और सरकार में राजनीतिक सत्ता हासिल करने के उद्देश्य से काम करता है |**

2. **राजनीतिक दल के तीन हिस्से।**

   क) केनेता

   ख) सक्रिय सदस्य

   ग) समर्थक

3. **राजनीतिक दलों के कार्य -**

   i) दल चुनाव लड़ते है |

   ii) दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते है और मतदाता अपनी पसंद की नीतियां और कार्यक्रम चुनते है | सरकार प्राय: शासक दल की राय के अनुरूप अपनी नीतियाँ तय करती है |

   iii) पार्टियाँ देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती है |

   iv) दल ही सरकार बनाते और चलते है |

   v) चुनाव हारने वाले दल, शासक दल के विरोध पक्ष की भूमिका निभाते है | सरकार की गलत नीतियों और असफलताओं की आलोचना करने के साथ वह अपनी अलग राय भी रखते है |

   vi) जन-मत निर्माण में दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है |

4. **पार्टी सिस्टम का वर्गीकरण**

   i) एक पार्टी व्यवस्था

   चीन मे सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी को शासन करने की अनुमति है .। ।

   नया राजनीतिक दल बनाने का कोई लाभ नहीं दिख़ता,कोई नया दल नहीं बन पाता।

   यह लोकतंत्र के विकल्प नहीं है। ।

   ii) दो दल पार्टी व्यवस्था

   सिर्फ दो ही दल बहुमत पाता और सरकार बनाने का प्रबल दावेदार होते है।

   iii) बहुदलीय व्यवस्था

   भारत में भी ऐसी ही बहुदलीय व्यवस्था है! इस व्यवस्था में कई दल गठबंधन बनाकर भी सरकार बना सकते है। इस प्रणाली में विभिन्न हितों और विचारों का राजनीतिक प्रतिनिबंध मिल जाता है |

6) **राज्य के राजनीतिक दल**

जब कोई पार्टी राज्यविधान सभा के चुनाव में कुल मतों का छह प्रतिशत हासिल करता हें और कम से कम दो सीटों पर जीत दर्ज करती है।।

7) **राजनीतिक दलों के लिए चुनौतियां -**

i) दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र की कमी।

ii) वंशवाद की चुनौती ।

iii) धन और बाहुबल - अमीर लोगों और बड़ी कंपनियों की बढती भूमिका।

iv) पार्टियों के बीच विकल्प हीनता की स्थिति की है।

8) **राजनीतिक दलों और उसके नेताओं में सुधार के लिए उठाए गए कदम -**

क) दल बदल को रोकना (के बाद निर्वाचित) - अगर वे करते हैं तो वे सीट खोदेंगे।

ख) पैसे और अपराधियों के प्रभाव को कम करने के लिए - सुप्रीम कोर्ट के आदेश

ग) सभी राजनीतिक दलों केलिए संगतानिक चुनाव कराना और आयकर का रिटर्न फाइल करना चाहिए।

9) **राजनीतिक दलों मे लाए गएसुधार-**

क) कानून राजनीतिक दल अपने सदस्यों की सूची रखे,अपने संविधान का पालन करे, पार्टी में विवाद की स्थिति में एक स्वतंत्र प्राधिकारी को पंच बनाए और सबसे बड़े पदो केलिए खुला चुनाव करें ।

ख) महिलाओं (कम से कम 1/3 के लिए कोटा)

ग] चुनाव का खर्च सरकार उठाये ।

<u>प्रश्नोत्तर - [3 MARKS]</u>

1. **हमे राजनीतिक दलों की जरूरत- क्यों है?**

उ: i) राजनीतिक दल लोकतंत्र में सबसे अधिक महत्वपूर्ण संस्थानों में से एक हैं।

ii) आम नागरिकों के लिए राजनीतिक दल लोकतंत्र के बराबर हैं।

iii) राजनीतिक दल जनता की राय बनाने और सरकार के गठन में मदद करती है।

2. **एक बहु दलीय व्यवस्था की खूबियों का वर्णन करें।**

उ: i) भारत में भी ऐसी ही बहुदलीय व्यवस्था है!

ii) इस व्यवस्था में कई दल गठबंधन बनाकर भी सरकार बना सकते है।

iii) इस प्रणाली में विभिन्न हितो और विचारों का राजनीतिक प्रतिनिबंद मिल जाता है|

3. लोकतंत्र में विपक्षी दल की भूमिका क्या है?

उ: चुनाव हारने वाले दल शासक दल की विरोध पक्ष की भूमिका निभाते है | सरकार की गलत नीतियों और असफलताओं की आलोचना करने के साथ वह अपनी अलग राय भी रखते है

4. भारत के राजनीतिक दलों तथा निर्वाचन प्रणाली को मजबूत करने के लिए कुछ उपाय बताइये ।

उ: i) कानून राजनीतिक दल अपने सदस्यों की सूची रखे,अपने संविधान का पालन करे, पार्टी में विवाद की स्थिति में एक स्वतंत्र प्राधिकारी को पंच बनाये और सबसे बड़े पदों केलिए खुला चुनाव करें ।

ii) महिलाओं को कमसे कम 1/3 के लिए ज़रूर टिकेट दे|

iii) चुनाव का खर्च सरकार उठाएं ।

iv) कानून राजनीतिक दल अपने सदस्यों के सूची रखे, अपने संविधान का पालन करे, पार्टी में विवाद की स्थिति में एक स्वतंत्र प्राधिकारी को पंच बनाये और सबसे बड़े पदों के लिए खुला चुनाव करें ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न [5 अंक]

1. एक राजनीतिक पार्टी का मुख्य कार्य क्या हैं?

उ. i) दल चुनाव लड़ते है |

ii) दल अलग-अलग नीतियों और कार्यक्रमों को मतदाताओं के सामने रखते है और मतदाता अपनी पसंद की नीतियों और कार्यक्रम चुनते है | सरकार प्राय: शासक दल की राय के अनुरूप अपनी नीतियाँ तय करती है |

iii) पार्टियाँ देश के कानून निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती है |

iv) दल ही सरकार बनाते और चलाते है |

v) चुनाव हारने वाले दल शासक दल की विरोध पक्ष की भूमिका निभाते है | सरकार की गलत नीतियों और असफलताओं की आलोचना करने के साथ वह अपनी अलग राय भी रखते है |

vi) जन-मत निर्माण में दल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है |

2. भारत में राजनीतिक दलों की चुनौतियाँ क्या-क्या हैं?

उ: i) दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र की कमी।

ii) वंशवाद की चुनौती ।

iii) धन और बाहुबल - अमीर लोगों और बड़ी कंपनियों की बढती भूमिका।

iv) पार्टियों के बीच विकल्प हीनता की स्थिति की है -

3. दलीय व्यवस्था के विभिन्न रूपों के बारे में बताएं।

उ: दुनिया में मौजूदा पार्टी सिस्टम के तीन प्रकार हैं|

i) एकपार्टी व्यवस्था

चीन मे सिर्फ कम्युनिस्ट पार्टी को शासन करने की अनुमति है ।

नया राजनीतिक दल बनाने का कोई लाभ नहीं दिख़ता,कोई नया दल नहीं बन पाता।

यह लोकतंत्र के विकल्प नहीं है।

ii) दो दल पार्टी व्यवस्था

सिर्फ दो ही दल बहुमत पाना और सरकार बनाना का प्रबल दावेदार होते है।

iii) बहुदलीय व्यवस्था

भारत में भी ऐसी ही बहुदलीय व्यवस्था है! इस व्यवस्था में कई दल गठबंधन बनाकर भी सरकार बना सकते है। इस प्रणाली में विभिन्न हितो और विचारों का राजनीतिक प्रतिनिबंद मिल जाता है |

प्रश्न बैंक

1. मध्यावधि चुनाव क्या है?
2. भारतीय जनता पार्टी के मार्गदर्शक दर्शन क्या है।
3. कैसे बहुदलीय प्रणाली ने भारत में लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया है?
4. भारत में राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है? उदाहरण के साथ समझाइए ।
5. "राजनीतिक पार्टियां लोकतंत्र में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं।" साबित कीजिए ।
6. दल बदल से क्या मतलब है? इस अभ्यास को रोकने के लिए अपनाये गए उपाय क्या है ?
7. राजनीतिक परिदृश्य कई पार्टियों के बड़े पैमाने पर है । कैसे नेताओं के इन प्रबंधन करते हैं गठबंधन? अपना सुझाव दीजिये।
8. राजनीतिक दलों से आंशिक , पक्षपातपूर्ण और विभाजन पैदा होती हैं। अपनी राय दे।

अध्याय 7

लोकतंत्र के परिणाम

जनतंत्र - जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा -

1. **लोकतंत्र की सुविधाएँ**
   - नागरिकों में समानता को बढ़ावा देता है |
   - व्यक्ति की गरिमा को बढ़ाता है |
   - इससे फैसलों में बेहतरी आती है |
   - टकरावों को टालने-सँभालने का तरीका देता है ओर
   - इसमें गलतियों को सुधरने की गुंजाइश होती है |
2. **आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए योगदान -**

   आर्थिक विकास के कारक
   - देश की आबादी आकार,
   - वैश्विक स्थिति,
   - अन्य देशों से सहयोग, आर्थिक प्राथमिकताओं को अपनाना
   - असमानता और गरीबी में कमी लाने में लोकतंत्र की भूमिका बहुत सफल नहीं है।
   - हालांकि राजनीतिक समानता (एक वोट एक मूल्य) पर आधारित है - बढ़ती आर्थिक असमानता अभी भी अमीर और गरीब के बीच मौजूद है -
   - कुछ जीवन में बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है।
3. **असमानता और गरीबी को कम करने के लिए लिया गया कदम -**
   - पिछड़े वर्गों केलिए नौकरियों में आरक्षण
   - सामाजिक सुरक्षा - वृद्धावस्था पेंशन, नि: शुल्क चिकित्सा सहायता, रियायती आवास, और अधिक रोजगार के अवसर।
4. **सामाजिक विविधता के आवास -**
   - बहुमत को सदा ही अल्पमत का ध्यान रखना होता है| उसके साथ काम करने की ज़रूरत होती है | तभी सरकार जन-सामान्य की इच्छा का प्रतिनिधित्व कर पाती है |
   - बहुमत के शासन का अर्थ धर्म ,नस्ल अथवा भाषायी आधार के बहुसख्यक समूह का शासन नहीं होता |
   - लोकतंत्र तभी लोकतंत्र रहता है जब तक, प्रत्येक नागरिक को किसी न किसी अवसर पर बहुमत का हिस्सा बनने का मौका मिलता है |

6. **गरिमा और नागरिकों की स्वतंत्रता**

- प्रत्येक व्यक्ति अपने साथ के लोगों से सम्मान पाना चाहता है | गरिमा और आज़ादी की चाह ही लोकतंत्र का आधार है |

संक्षिप्त उत्तरीय प्रश्न [3marks]

1. **एक देश के आर्थिक विकास किस पर निर्भर करता है?**

उ: ii) देश की आबादी आकार,

iiii) वैश्विक स्थिति,

iiiiii) अन्य देशों से सहयोग, आर्थिक प्राथमिकताओं देश से आदि को अपनाया

2. **लोकतंत्रता सामाजिक विविधता को कैसे समायोजित करता है?**

उ: एक यह है कि लोकतंत्र बस बहुमत की राय से इनकार नहीं किया जा सके यह समझ लेना जरूरी है। बहुमत हमेशा अल्पसंख्यक के साथ काम करने की जरूरत है।

ख) यह भी आवश्यक है कि शासन के बहुमत से बहुसंख्यक समुदाय द्वारा नियम नहीं बन जाता है

ग) लोकतंत्र के रूप में लंबे समय के हर नागरिक को बहुमत में रहने के एक विकल्प के रूप में एक लोकतंत्र रहता है, समय का एक ही बिंदु पर-

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न [5marks]

1. **लोकतंत्र क्या है? इसके विभिन्न लक्षण क्या हैं?**

उ: - i) लोकतंत्र सरकार में जो सर्वोच्च शक्ति लोगों और जनप्रतिनिधियों में निहित है | सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर मतदाताओं द्वारा चुने गए है|

ii) यह नागरिकों के बीच समानता को बढ़ावा देता है।

iii) यह लोगों के हित के बाद लग रहा है|

iv) यह गलतियों को सुधारने के लिए अनुमति देता है।

v) सामाजिक विविधता का निवास

2. लोकतंत्र से उम्मीद परिणाम बताएं?

उ: i) आर्थिक समानता: यह लोकतंत्र है की आर्थिक असमानता से हटा दिया जाना चाहिए उम्मीद है|

ii) सत्ता के विकेन्द्रीकरण: सत्ता का विकेंद्रीकरण किया जाना चाहिए और विभाजित उच्च स्तर से कम करने के लिए

iii) सामाजिक विविधता का निवास।

iv) समानता के सिद्धांतों: - भारत के सभी नागरिकों सामाजिक न्याय दिया जाना चाहिए, उनमें से किसी एक जाति के आधार, रंग, नस्ल, धर्म आदि के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए

3. "लोकतंत्र सरकार किसी अन्य रूप से बेहतर है" पक्ष में तर्क दे?"

उ: i) यह जनता की राय पर आधारित है | लोकतंत्र शासन की प्रणाली है जो जनता की राय पर आधारित है और लोगों की इच्छा के अनुसार नियम चलाया जा रहा है|

ii) यह समानता के सिद्धांतों पर आधारित है: लोकतंत्र में सभी इंसान बराबर माना जाता है।

iii) जिम्मेदार सरकार: लोकतंत्र में सरकार लोगों और संसद केलिए जिम्मेदार है|

iv) मजबूत और कुशल सरकार: प्रशासन लोगों को सार्वजनिक का समर्थन किया है जो के प्रतिनिधियों द्वारा चला या जा रहा है। शासक जनता की राय के द्वारा नियंत्रित किया जाता है और वे अपने निर्णय के लिए लोगों के लिए उत्तरदायी हैं|

प्रश्न बैंक -

1. कुछ लोगों की राय है कि लोकतंत्र में सरकार कामियाब नहीं है, क्यों?
2. 'लोकतंत्र में पारदर्शिता क्या है?
3. कानून के समक्ष समानता का मतलब क्या है?
4. लोकतंत्र, गरिमा और स्वतंत्रता पर आधारित है' -समझाओ
5. 'लोकतंत्र सामाजिक विविधता को संभालने में सफल है', कैसे?

अध्याय 8

लोकतंत्र के लिए चुनौतियां

1. **चुनौती** → कठिनाइयां जो महत्वपूर्ण हैं और जो दूर किया जा सकता

   क) मूलभूत चुनौती - बुनियादी आधार बनाने की चुनौती - गैर-लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था को गिराने सत्ता पर सेना के नियंत्रण को समाप्त करने और एक संप्रभुत्व तथा कारगार शासन व्यवस्था को स्थापित करने की चुनौती है |

   ख) विस्तार की चुनौती - सभी सामूहिक समूहों और विभिन्न संस्थाओं में लागू करना, स्थानीय सरकारों को अधिक अधिकार देना, महिलाओं और अल्पसंख्यक समूहों की उचित भागीदारी|

      iii) अमीर और प्रभावशाली लोगों के नियंत्रण और प्रभाव को कम करने की जरूरत है|

      iiii) इसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं और बरतावों को मजबूत बनाना शामिल है|

   ग) मजबूत चुनौती → संस्थाओं की कार्य पद्धति को सुधारना और मजबूत करना होता है ताकि लोगों की भागीदारी और नियंत्रण में वृदधि हो |

   अमीर और प्रभावशाली लोगों के नियंत्रण और प्रभाव को कम करने की जरूरत है|

   लोकतांत्रिक सुधार या राजनीतिक सुधार → विभिन्न काबू पाने के बारे प्रस्तावों लोकतंत्र के लिए चुनौतियों

2. **भारत में राजनीतिक सुधार के तरीके** →

   क) कानून के माध्यम से - ध्यान से कानून में बदलाव तैयार किए तो गलत राजनीतिक आचारों को हतोत्साहित कर सकते हैं| लेकिन इस राजनीतिक कार्यकर्ताओं, पार्टियों, आंदोलनों और राजनीतिक रूप से जागरूक नागरिकों द्वारा मुख्य रूप से किया जाना चाहिए।

   ख) कानूनी बदलाव करते हुए इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि राजनीति पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा | आम तौर पर किसी चीज़ की मनाही करने वाले कानून राजनीति में ज़्यादा सफल नहीं होते | राजनीतिक कार्यकर्ता को अच्छे काम करने के लिए बढ़ावा देने वाले या लाभ पहुंचाने वाले कानून के सफल होने की संभावना ज़्यादा होती है | सूचना का अधिकार-कानून लोगों को जानकार बनाने और लोकतंत्र के रखवाले के तौर पर सक्रिय करने का अच्छा उदाहरण है |

   ग) लोकतांत्रिक सुधार तो मुख्यत: राजनीतिक दल ही करते है | इसलिए, राजनीतिक सुधारों का ज़ोर मुख्यतः लोकतांत्रिक कामकाज को ज्यादा मज़बूत बनाने पर होना चाहिए |

घ) राजनीतिक सुधार के किसी भी प्रस्ताव में अच्छे समाधान की चिंता होने के साथ-साथ यह सोच भी होनी चाहिए कि इन्हें कौन और क्यों लागू करेगा|

3. लोकतंत्र पुनर्परिभाषित -

क) सभी निर्णय प्रतिनिधियों (जनता द्वारा चुने गए) द्वारा होना चाहिए।

ख) चुनावों के माध्यम से वर्तमान शासकों को बदलने के लिए उचित अवसर ।

ग) सभी लोगों के लिए उपलब्ध अवसर बराबरी के आधार पर होना चाहिए ।

कम जवाब प्रकार के प्रश्नों - [3marks]

1. लोकतंत्र की मजबूती के दौरान किन किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ?

उ: i) यह चुनौती लगभग सभी लोकतांत्रिक देशों द्वारा सामना करना पड़ा है। इन संस्थाओं और लोकतंत्र की प्रथाओं को मजबूत बनाने शामिल है।

ii) अमीर और प्रभावशाली लोगों के नियंत्रण और प्रभाव को कम करने की जरूरत है|

iii) इस में लोकतांत्रिक संस्थाओं और बरतावों को मजबूत बनाना शामिल है|

1. आज दुनिया में प्रमुख लोकतांत्रिक देशों द्वारा सामने की जाने वाली चुनौतियों का उल्लेख कीजिए |

उ: i) विस्तार की चुनौती - सभी सामूहिक समूहों और विभिन्न संस्थाओं में लागू करना, स्थानीय सरकारों को अधिक अधिकार देना, महिलाओं और अल्पसंख्यक समूहों की उचित भागीदारी|

ii) अमीर और प्रभावशाली लोगों के नियंत्रण और प्रभाव को कम करने की जरूरत है|

iii) इसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं और बरतावों को मजबूत बनाना शामिल है|

3. लोकतंत्र के लिए मूलभूत चुनौती क्या है ? किन्हीं दो पहलुओं का उल्लेख कीजिए |

बुनियादी आधार बनाने की चुनोती - गैर-लोकतांत्रिक शासन वुव्स्था को गिराने सत्ता पर सेना के नियंत्रण को समाप्त करने और एक संप्रभु तथा कारगार शासन व्यवस्था को स्थापित करने की चुनोती है |

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न [5marks]

1. राजनीतिक सुधार को परिभाषित कीजिए और व्यापक दिशा निर्देश भी दीजिए |

उ: क) कानून के माध्यम से - ध्यान से कानून में बदलाव तैयार किए तो गलत राजनीतिक आचारों को हतोत्साहित कर सकते हैं| लेकिन इस राजनीतिक कार्यकर्ताओं, पार्टियों, आंदोलनों और राजनीतिक रूप से जागरूक नागरिकों द्वारा मुख्य रूप से किया जाना चाहिए।

ख) कानूनी बदलाव करते हुए इस बात पर गंभीरता से विचार करना होगा कि राजनीति पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा | आम तौर पर किसी चीज़ की मनाही करने वाले कानून राजनीति में ज़्यादा सफल नहीं होते | राजनीतिक कार्यकर्ता को अच्छे काम करने के लिए बढ़ावा देने वाले या लाभ पहुंचाने वाले कानून के सफल होने की संभावना ज़्यादा होती है |

सूचना का अधिकार-कानून लोगों को जानकार बनाने और लोकतंत्र के रखवाले के तौर पर सक्रिय करने का अच्छा उदाहरण है |

ग) लोकतांत्रिक सुधार तो मुख्यत: राजनीतिक दल ही करते है | इसलिए, राजनीतिक सुधारों का ज़ोर मुख्यतः लोकतांत्रिक कामकाज को ज्यादा मज़बूत बनाने पर होना चाहिए |

घ) राजनीतिक सुधार के किसी भी प्रस्ताव में अच्छे समाधान की चिंता होने के साथ-साथ यह सोच भी होनी चाहिए कि इन्हें कौन और क्यों लागू करेगा|

2. भारत के द्वारा सामने की जानेवाली चुनोतियों में एक है विस्तार की चुनौती- स्पष्ट कीजिए |

ii) विस्तार की चुनौती - सभी सामूहिक समूहों और विभिन्न संस्थाओं में लागू करना, स्थानीय सरकारों को अधिक अधिकार देना, महिलाओं और अल्पसंख्यक समूहों की उचित भागीदारी|

iiii) अमीर और प्रभावशाली लोगों के नियंत्रण और प्रभाव को कम करने की जरूरत है|

iiiii) इसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं और बरतावों को मजबूत बनाना शामिल है|

iviv) संस्थाओं की कार्यपद्धति को सुधारना और मजबूत करना होता है ताकि लोगों की भागीदारी और नियंत्रण में वृदधि हो |

vv) इसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं और बरतावों को मजबूत बनाना शामिल है|

प्रश्न बैंक

1. लोकतंत्र के किसी भी चार दोषों का उल्लेख कीजिए |
2. 'अलग देशों के अलग अलग प्रकार की चुनौतियां है - सोदाहरण समझाइए |
3. ‘ सूचना अधिकार नियम’ से आप क्या समझते है?
4. 'काउंटर उत्पादक नियम ' से आप क्या समझते हैं?
5. भारतीय प्रजातंत्र की चार चुनौतियों का उल्लेख कीजिए |

****

आर्थिक विकास की समझ

अध्याय 3

मुद्रा और साख

मुद्रा: मुद्रा एक ऐसी चीज है जो लेन-देन में विनिमय के माध्यम के रूप में आम सहमति से चुना।

मांग जमाऔ: लोक मुद्रा बैंक खाते में जमा करते हैं। बैंक खाते में जमा धन को मांग के जरिए निकाला जा सकते है इसलिए इस जमा को मांग जमा कहा जाता है ।

चैक: चेक एक ऐसी कागज है जो बैंक को किसी व्यक्ति के खाते से चेक पर लिखे नाम के किसी दूसरे व्यक्ति को एक खास रकम का भुगतान करने का आदेश देता है ।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया: यह भारत का केंद्रीय बैंक है जो देश की मौद्रिक नीति को नियंत्रित करता है ।

साख या ऋण: एक सहमति जिस में साहूकार कर्जदार को धन वस्तुएँ या सेवाएँ मुहेया कराता है और बदले मे भविष्य में कर्जदार से भुगदान करने का वादा लेता है ।

समर्थकऋणाधार: ऐसी संपत्ति है, जिस का मालिक कर्जदार है (जैसे भूमि, भवन, वाहन, पशुधन, बैंकों के साथ जमा के रूप में) और जब तक ऋण का भुगतान नहीं हो जाता है एक ऋणदाता के लिए एक गारंटी के रूप में इसका उपयोग कर सकता है।

ऋण की शर्तें: ब्याज दर, समर्थक ऋणाधार, आवस्यक कागजात और भुगतान के तरीकों को ऋण की शर्तें कहा जाता है

औपचारिक ऋण: भारतीय रिजर्व बैंक की प्रत्यक्ष निगरानी में संस्थाओं द्वारा प्रदान ऋण। मुख्य स्रोत बैंकों, सहकारी समितियों और वित्तीय संस्थान हैं

अनौपचारिक ऋण: देखरेख के बिना निजी व्यक्ति द्वारा प्रदान किया गया ऋण (जैसे: महाजन, मित्र और रिश्तेदार, व्यापारी आदि)

स्वयं सहायता समूह (एसएचजी): ये आम तौर पर गांवों में गठित समूह हैं। जहां सदस्यों से पैसे एकत्र करके ब्याज की एक मामूली दर पर सदस्य को ऋण के रूप में दिया जाता है

प्रश्न एवं उत्तर)तीन अंक(

1. स्वयं सहायता समूहों द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में लाए गए अच्छे कार्य क्या क्या हैं? (मूल्य आधारित प्रश्न)

क) महिला सशक्तिकरण

ख) टीम काम

ग) आत्म निर्भरता

घ) गरीबी उन्मूलन

2. वस्तु विनिमय प्रणाली की सीमाएं क्या हैं?
क) आवस्यकताओं के दोहरे संयोग की कमी
ख) भाजकत्व की कमी
ग) मूल्य के उपाय का अभाव। घ) मूल्य संचय की समस्या .
3. बैंकों में पैसा जमा करने से क्या फायदे हैं?
क) घर या कार्य सथ्ल र्की तुलना में पैसे रखने के लिए सुरक्षित जगह है।
ख) जमा पैसे पर ब्याज कमा सकते हैं।
ग) जमा धन को मांग के जरिए निकाला जा सकते हैं
घ) लोगों को चेक के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।
4. समर्थक ऋणाधार से क्या तात्पर्य हे?
समर्थक ऋणाधार ऐसी संपत्ति है, जिस का मालिक कर्जदार है (जैसे भूमि, भवन, वाहन, पशुधन, बैंकों मे जमा पूँजी) और इसका इस्तेमाल वह उधार दाता को गारंटी देने के रूप में करता है, जब तक कि ऋण का भुगतान नहीं हो जाता। कर्जदार ऋण चुकाने में विफल रहता है, तो ऋणदाता को समर्थक ऋणाधार बेचने का अधिकार है।
5. पैसे का कार्य क्या हैं?
क) मुद्रा वस्तु विनिमय प्रणाली की समस्या का हल है।
ख) विनिमय के माध्यम के रूप में कार्य करता है
ग़) मूल्य संचय के रूप में कार्य करता है।
घ) मूल्य का एक उपाय के रूप में कार्य करता है।

प्रश्न एवं उत्तर)पांच अंक(

1. **भारतीय रिजर्व बैंक अन्य बैंकों की गतिविधियों पर किस तरह नजर रखता है? यह जरूरी क्यों हैं ?**

क) आर। बी। आई। नजर रखता हे कि बैंक वास्तव में नकद शेष बनाए हुआ हे।
ख) आर। बी। आई। इस पर भी नजर रखता हे कि बैंक केवल लाभ अर्जित करने वाले व्यवसायियों और व्यापारियों को ही ऋण मुहैया नहीं करा रहे, बल्कि छोटे किसानों, छोटे उद्योगों छोटे कर्ज़दारों इत्यादि को भी ऋण दे रहे है।
ग) बैंक द्वारा आर बी आई को यह जानकारी देनी पड़ती हैं कि वे कितना और किन को ऋण दे रहे हैं।
घ) आर। बी। आई। इस पर भी नजर रखता हे कि बैंक की व्याज की दरें क्या हे?

2. वाणिज्यिक बैंकों के कार्यों के बारे में बताएँ।

क) जमा स्वीकार: बैंकों को खुद के साथ नकदी के रूप में उनकी जमा राशि का केवल एक छोटा हिस्सा रहते हैं। इस जमाकर्ता जो बैंक से पैसे निकालने के लिए आ सकता है भुगतान करने के लिए एक प्रावधान के रूप में रखा है।

ख) ऋण उपलब्ध कराने के बैंकों में जमा राशि का बड़ा हिस्सा का उपयोग ऋण का विस्तार करने के लिए। बैंकों को जमा राशि का उपयोग लोगों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बनाते हैं।

ग) धन का हस्तांतरण: बैंकों जमाकर्ता और उधारकर्ताओं के बीच मध्यस्थताका काम करता हे।

ड.) एजेंसी कार्य: आधुनिक समय बैंक में भी ग्राहक के एक एजेंट के रूप में कार्य करता है।

3. औपचारिक और अनौपचारिक क्रेडिट स्रोतों के बीच क्या अंतर हे।

औपचारिक क्षेत्र

क) इन संसाधनों भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की देखरेख में काम करते हैं।

ख) ब्याज की दर बहुत कम है।

ग) वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी, समाज आदि औपचारिक ऋण का मुख्य स्रोत हैं।

अनौपचारिक क्षेत्र

क) ये किसी भी सरकारी संगठन के तहत काम नहीं करते।

ख) ब्याज की दर बहुत अधिक है।

ग) रिश्तेदारों, साहूकारों और जमींदारों अनौपचारिक ऋण का मुख्य स्रोत हैं।

4. 'गरीब परिवारों में से अधिकांश अभी भी ऋण की अनौपचारिक स्रोतों पर निर्भर कर रहे हैं'। समझाओ। क) ग्रामीण भारत में हर जगह बैंकें मौजूद नहीं है जब कि सभी गांवों में अनौपचारिक स्रोत आसानी से उपलब्ध है।

ख) बैंक से ऋण प्राप्त करना अधिक मुश्किल है। गरीब लोगों के पास जमानत के रूप में पेश करने के लिए कुछ भी नहीं है।

ग) साहूकार किसी भी जमानत के बिना गरीब लोगों को ऋण प्रदान करते हैं।

घ) औपचारिक स्रोत, केवल उत्पादक उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान करते हैं, जबकि अनौपचारिक स्रोतों उत्पादक और गैर-उत्पादक उद्देश्यों के लिए ऋण प्रदान करते हैं।

ड) औपचारिक स्रोत के कारोबार का तरीका बहुत जटिल है, जबकि अनौपचारिक संसाधनों के व्यापार के लिए एक बहुत ही सरल तरीका है।

5. सस्ते ऋण देशों के विकास केलिए महत्वपूर्ण है। भारत के संदर्भ में ऋण की भूमिका पर प्रकाश डालिए। (5)

क) लाभ का एक बड़ा हिस्सा उच्च ब्याज के रूप में भुगतान किया जाएगा।

ख) कर्ज के जाल नए खिलाड़ियों को हतोत्साहित करते हैं।

ग) बैंकों और सहकारी समितियों द्वारा दिए गए अधिक ऋण से
हतोत्साहित
घ) लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सस्ते ऋण महत्वपूर्ण है।

6. मांग जमाओ क्या हैं? अपने फायदे क्या हैं? क्यों मांग जमाओ पैसे के रूप में माना जाता है?
बैंक खाते में जमा धन को मांग के जरिए निकाला जा सकते है इसलिय इस जमा को मांग जमा कहा जाता है ।
क) लोग मांग जमाओ पर ब्याज कमाते हैं।
ख) जमाकर्ता एक चेक के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।
ग) वे आसानी से स्वीकार्य हैं।
घ) वे नकदी के उपयोग के बिना भुगतान निपटाने में मदद करते हैं।

अध्याय 4

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

एलपीजी: भारत की अर्थव्यवस्था 1990 के दशक की शुरुआत में महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव आया था। आर्थिक सुधारों के इस नए मॉडल सामान्यतः एलपीजी या उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण मॉडल के रूप में जाना जाता है।

उदारीकरण: सरकार द्वारा अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हाटाने की प्रक्रिया।

निजीकरण :सार्वजनिक क्षेत्र से निजी क्षेत्र के लिए संपत्ति के स्वामित्व के हस्तांतरण।

वैश्वीकरण: दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं के साथ घरेलू अर्थव्यवस्था के एकीकरण। यह दुनिया के विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं के समेकन के लिए खड़ा है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ: यह एक निगम या उपक्रम होता है जो कि कम से कम दो देशों या राष्ट्रों में उत्पादन की स्थापना का प्रबन्धन करते हैं, या सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। इन्हें प्रचलित भाषा में एम एन सी या मल्टी नेशनल कम्पनी भी कहते हैं।

विदेशी निवेश: बहुराष्ट्रीय कंपनियों के द्वारा किए गए निवेश है।

विश्व व्यापार संगठन: (डब्ल्यू टी ओ): विश्व की सबसे प्रमुख मौद्रिक संस्था है जो विश्व व्यापार के लिये दिशा निर्देशों को जारी करती है और सदस्य देशों को जरुरत के मुताबिक ऋण उपलब्ध कराती है। यह नए व्यापार समझौतों में बदलाव और उन्हें लागू कराने के लिए उत्तरदायी है। भारत भी इसका एक सदस्य देश है।

बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) एक प्रकार की आउटसोर्सिंग (Outsourcing) प्रकिया है जिसमें एक विशिष्ट व्यवसाय प्रक्रिया या कार्यज़िम्मेदारियों का ठेका दिया जाता है|

मल्टी पार्श्व समझौते: देशों के समूह द्वारा दर्ज समझौता है।

मिश्रित अर्थव्यवस्था: एक ऐसी प्रणाली है जिसमें निजी और सार्वजनिक क्षेत्र एक साथ काम करते हैं।

आर्थिक सुधारों या नई आर्थिक नीति: यह नीति जुलाई 1991 में भारत सरकार द्वारा अपनाई गई है इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण (एलपीजी)

प्रश्न एवं उत्तर)तीन अंक(

1. विदेशी व्यापार से क्या फायदे हैं?

क) विदेश व्यापार खरीदारों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुँचने का अवसर देता है।

ख) बाजार मैं वस्तुओ के विकल्प बढ जाते है.

ग़) विभिन्न देशो के बजरो को जोड़ने मे सहयक होता हे.

2. वैश्वीकरण क्या है?

क) दुनिया की अर्थव्यवस्था के साथ एक देश की अर्थव्यवस्था का तालमेल

ख) विदेशी उत्पादकों भारत में अपने माल और सेवाओं को बेच सकते हैं और भारतीय उत्पादकों को भी अन्य देश में वस्तुओं और सेवाओं को बेच सकते हैं।

ग) दुनिया के विभिन्न देशों के आर्थिक अंतर निर्भरता

3. कौन से कारक तीसरी दुनिया के देशों में कारखानों की स्थापना करने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित कर रहे हैं?

क) बेहतर प्रोस्पेक्टस और लाभ

ख) अनुकूल सरकारी नीतियों

ग) आसानी से और सस्ते में अत्यधिक कुशल श्रम शक्ति की उपलब्धता 3.।

4. विदेशी व्यापार बाजारों के एकीकरण में किस प्रकार मदद करता है?

क) देशों के बीच व्यापार के लिए उन्हें बाजार की सीमाओं का विस्तार करने के लिए सक्षम बनाता है।

ख) विदेश व्यापार खरीदादारों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुँचने का अवसर देता है।

ग) विदेश व्यापार दुनिया के विभिन्न भागों में बराबर की कीमतों में मदद करता है

5. व्यापार अवरोधक क्या है? यह कैसे विदेशी व्यापार को विनियमित करने में मदद करता है?

क) यह विदेशी आयात से स्थानीय निर्माताओं की रक्षा करने के लिए आवश्यक हो सकता है।

ख) देश ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए व्यापार अवरोधक की स्थापना की ।है

ग) वे उच्च आयात शुल्क और कोटा प्रतिबंध के रूप में हो सकता है।

6' वैश्वीकरण ने मजदूरों के काम की परिस्थितियों को बिगाड़ने के लिए प्रेरित किया।' टिप्पणी करो।

क) वैश्वीकरण और खुली प्रतियोगिता असुरक्षित काम करने की स्थिति की ओर जाता है।

ख) श्रमिकों को बड़ी कंपनियों के मुनाफे में उचित हिस्सा नहीं मिलता है।

ग) श्रमिक बड़ी कंपनियों द्वारा शोषण कर रहे हैं .अब वे छोटी अवधि के लिए श्रमिकों को रोजगार दे सकता है।

7. भारत में उदारीकरण बाजार के विस्तार करने में कैसे योगदान करता है?

क) उदारीकरण से विदेशी कंपनियों के परिणाम के रूप में भारत में अपने कार्यालयों और बाजारों की स्थापना करने में सक्षम है।

ख) भारत सरकार ने विदेशी कंपनियों के लिए कई विशेष आर्थिक क्षेत्रों का स्थापना की।

ग) विदेशी कंपनियों के श्रम कानूनों में लचीलापन की अनुमति दी

प्रश्न एवं उत्तर)पांच अंक(

1, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विश्व-भर के उत्पादन को एक दूसरे से कैसे जोड़ती हैं?

क) बहुराष्ट्रीय कंपनी उसी स्थान पर इकाइ स्थापित स्थापित करती जो बाजार के नजदीक हो, जहॉ सस्ते कुशल और अकुशल श्रम उपलब्ध हो।

ख) यह चुने देशों की स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से उत्पादन शुरू करता हैं

ग) कभी-कभी बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों छोटे उत्पादकों के साथ उत्पादन और उन्हें अतिरिक्त निवेश के लिए धन उपलब्ध कराने के लिए आदेश।

घ) कभी कभी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ स्थानीय कंपनियों को खरीदने और फिर उनके उत्पादन का विस्तार

2. वैश्वीकरण को सक्षम कराने वाले कारक क्या क्या हैं?

क) प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से सुधार
ख) सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास।
ग़) सरकारों के विदेशी निवेश की नीतियों को उदार बनाने।
घ) इस तरह विश्व व्यापार संगठन के रूप में अंतरराष्ट्रीय संगठनों के दबाव

3. वैश्वीकरण के किन्ही पाँच सकारात्मक प्रभावों के बारे में बताएं।

कउत्पादकों के बीच में अधिक से अधिक प्रतिस्पर्धा व्यापक होने के कारण साधनों के कीमत कम हो (गया औरगुणवत्ता में व्रुदधी हुआ
ख) बहुराष्ट्रीय कंपनियों के माध्यम से विदेशी निवेश में भारी वृद्धि हुई है।
ग़) शीर्ष भारतीय कंपनियों के कई वैश्वीकरण से लाभ प्राप्त करने में सक्षम हो गया है के रूप में वे नई तकनीक और सहयोग मिला विदेशी कंपनियों के साथ।
घ) कुछ बड़ी कंपनियों बहुराष्ट्रीय कंपनियों पूर्व के रूप में उभरा। टाटा मोटर्स, इंफोसिस।
ड.) नए अवसर कंपनियों खासकर आईटी सेवाएं प्रदान करने से जुड़े लोगों के लिए बनाई गई हैं।
एफ। यह तीसरी दुनिया के देशों के लिए सक्षम है एक सस्ती दर पर बेहतर प्रौद्योगिकी प्राप्त करने के लिए

4. वैश्वीकरण के किसी भी पाँच नकारात्मक प्रभावों को समझाओ।

क) वैश्वीकरण के विभिन्न देशों के बीच आय असमानताओं को चौड़ा करने के लिए प्रेरित किया है।
ख) देशों के भीतर अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ गया है।
ग़) यह मजदूरों के काम करने की हालत खराब हो गई है, विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र में।
घ) वैश्वीकरण के लाभ समान रूप से लोगों के बीच वितरित नहीं किया गया है, और आम तौर पर उच्च वर्ग, आय और शिक्षा के मामले में, केवल लाभान्वित किया गया।
ड.) कृषि क्षेत्र के लिए कड़ी मेहनत वैश्वीकरण की नीतियों के द्वारा मारा गया है।

5. वैश्वीकरण निष्पक्ष बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय उठाए जा सकता है?

क) सरकार की नीतियों को समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
ख) सरकार ने कहा कि हमारे कानून ठीक से लागू कर रहे हैं और श्रमिकों को उनके अधिकार सुनिश्चित करना चाहिए।
ग़) सरकार छोटे उद्योगों प्रतियोगिताओं का सामना करने के लिए समर्थन करना चाहिए।
घ) कुछ स्थितियों में, व्यापार और निवेश अवरोधों को लगाया जाना चाहिए।
ड.) सरकार न्यायपूर्ण नियमों के लिए विश्व व्यापार संगठन में बातचीत करनी चाहिए।

6. आजादी के बाद भारत में बाधाओं को लगाने के लिए मुख्य कारण क्या थे?

क) सरकारों विदेशी व्यापार बढ़ाने के लिए या (विनियमित) में कमी व्यापार बाधाओं का उपयोग करें।
ख) व्यापार बाधाओं को विदेशी प्रतिस्पर्धा से घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए इस्तेमाल किया गया। उदाहरण के लिए। आयात पर टैक्स।
ग) यह विदेशी प्रतिस्पर्धा से देश के भीतर उत्पादकों की रक्षा करने के लिए आवश्यक माना जाता था।
घ) विदेशी प्रतिद्वंद्वियों से प्रतिस्पर्धा में भारत में नवजात उद्योगों अपंग हो सकता था।

अध्याय 5
उपभोक्ता अधिकार

उपभोक्ता: एक व्यक्ति जो एक भुगतान करने के बाद बाजार से खरीदता है और एक वस्तु या सेवा का उपयोग करता है।

उपभोक्ता अंतर्राष्ट्रीय: 120 से अधिक देशों के 240 से अधिक संस्थाओं का एक संरक्षक संस्था।

कोपरा: (COPRA): उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 24 दिसंबर 1986 में भारत सरकार द्वारा लागू किया।

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 (RTI): यह अधिनियम अपने नागरिकों को सरकारी विभागों, उनकी नीतियों प्रथाओं और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी पाने का अधिकार देता है।

एम आर पी: (M R P): यह **अधिकतम खुदरा मूल्य** संकुल माल पर छपी है। विक्रेता इस कीमत से ज्यादा चार्ज नहीं कर सकते।

आई एस आई मार्क: भारत में औद्योगिक उत्पादों को प्रमाण पत्र प्रदान करने केलिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विकसित एक निशान ।

एगमार्क: भारत में कृषि उत्पादों को प्रमाण पत्र प्रदान करने केलिये विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय द्वारा विकसित एक निशान ।

अपमिश्रण: खाद्य पदार्थों में अवांछित तत्वों के मिश्रण।

प्रश्न एवं उत्तर)तीन अंक(

1.भारत में उपभोक्ता आंदोलन के उद्भव के लिए कारण क्या हैं?

क) बाजार प्रथा के संबंध में उपभोक्ताओं का असंतोष

ख) धीरे-धीरे नई आर्थिक नीति के लागू होने के बाद उत्पादन क्षेत्रों से सरकार की वापसी।

ग) लोगों में जागरूकता बढ़ाने से

घ) अनुचित व्यापार व्यवहार बढ़ाने से

ई) विदेशी कंपनियों के आगमन से

2. उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण करने के लिए तीन स्तरीय अर्ध न्यायिक मशीनरी के बारे में बताएं?

क) जिला स्तर का न्यायालय 20 लाख तक के दावों से संबंधित मुकदमों पर विचार करता है ।

ख) राज्य स्तर का न्यायालय 20 लाख से एक करोड तक के दावों से संबंधित मुकदमों पर विचार करता है ।

ग) राष्ट्रीय स्तर का न्यायालय एक करोड से ऊपर की दावों से संबंधित मुकदमों पर विचार करता है

3. उपभोक्ता संरक्षण परिषद और उपभोक्ता अदालत के बीच क्या अंतर है?

क) उपभोक्ता संरक्षण परिषद उपभोक्ता को बढ़ावा देता है और विभिन्न अधिकारों की रक्षा करता है।

ख) उपभोक्ता अदालत ने एक उपभोक्ता की शिकायत के मामलों की सुनवाई करने के लिए बनाया गया है।

ग) उपभोक्ता संरक्षण परिषद एक सलाहकार संस्था है, जबकि उपभोक्ता अदालत एक अर्ध न्यायपालिका है।

प्रश्न एवं उत्तर 5

1 उपभोक्ताओं के अधिकार क्या हैं?

क) उपभोक्ता सुरक्षा के अधिकार.

ख) उपभोक्ता को सूचना प्राप्त करने का अधिकार.

ग) उपभोक्ता को चुनाव करने का अधिकार.

घ) प्रतिनिधित्व करने का अधिकार

ड) उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार

2. बाजार में उपभोक्ताओं के शोषण के विभिन्न तरीके क्या हैं?

क) उच्च कीमत

ख) गुणवत्ता की चूक

ग) वजन और माप के तहत

घ) झूठी जानकारी और वादे

ड) बिक्री के बाद सेवा में कमी

च) अशिष्ट व्यवहार

छ) अपर्याप्त सुरक्षा उपाय

ज) मिलावट कालाबाजारी, डुप्लिकेट आदि के रूप में ज) बाजार कदाचारों

3. उपभोक्ताओं के शोषण के लिए क्या कारण हैं?

क) जागरूकता का अभाव

ख) माल और बाजार के बारे में जानकारी का अभाव

ग) सीमित आपूर्ति और प्रतियोगिताएँ।

घ) उपभोक्ताओं के लिए सरकार के समर्थन का अभाव

च) उपभोक्ता आंदोलन की अपर्याप्तता

4 कोपरा 1986 की मुख्य विशेषताएं क्या हैं?

क) यह सभी वस्तुओं और सेवाओं पर लागू होता है।

ग) यह उपभोक्ताओं के लिए विभिन्न अधिकार प्रदान करता है।

घ) यह केंद्र और राज्य और जिला स्तर पर उपभोक्ता संरक्षण परिषदों को बढ़ावा देता है।

ई) यह राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर तीन स्तरीय अर्ध न्यायिक मशीनरी प्रदान करता है।

****

Design of Question Paper

Social Science
Summative Assessment-II

Class X

S.	Form of questions	Marks of each question	Number of questions	Total Marks
1	VSA	1	8	8
2	SA-	3	12	36
3	LA	5	8	40
4	Map Question	1	1[3+3]	6
	Total		29	90

Value questions are included.
VSA are for 1 mark [to write in one sentence or one word only]

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN

SOCIAL SCIENCE SA II (Sample Paper)

BLUE PRINT

CLASS:X Marks: 90 Time: 3 hrs

SL.NO	NAME OF THE LESSON	1 MARK	SA MARKS 3	LA MARKS 5	MAP	TOTAL	
1.	Nationalism in Europe OR Nationalism in Indo-China		3(1)	5(1)		8	HISTORY 23
2.	Nationalism in India	1(1)	3(2)	5(1)	3(1)	15	
3.	Minerals and energy resources	1(1)	3(1)		1[2]	6	GEOGRAPHY 23
4.	Manufacturing industries		3(1)	5(1)		8	
5.	Transport and communication		3(1)	5(1)	1[1]	9	
6.	Popular struggles and movements	1(2)	3(1)			5	POLITICAL SCIENCE 22
7.	Political parties	1(1)		5(1)		6	
8.	Outcomes of democracies		3(1)	5(1)		8	
9.	Challenges of democracy		3(1)			3	
10.	Money and credit	1[1]	3(1)	5(1)		9	ECONOMICS 22
11.	Globalization and the Indian Economy	1[1]	3(1)	5(1)		9	
12.	Consumer awareness	1[1]	3(1)			4	
	Total	8	36	40	6	90	

Marks are shown outside the brackets and number of questions in brackets.

Sl.No.1 and 2 History 23 marks

Sl.No.3,4& 5 Geography 23 marks

Sl.No. 6,7 , 8 & 9 Political Science 22 marks

Sl.No.10,11& 12 Economics 22 marks

Total 90 Marks (29 questions)

संकलित परीक्षा – II

SUMMATIVE ASSESSMENT-II

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

निर्धारित समय 3 :घंडे | अधिकतम अंक 90:

Time allowed: 3hours | Maximum Marks: 90

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्न पत्र में कुल 29 प्रश्न है । सभी प्रश्न अनिवार्य है ।
- प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने दिए गए है ।
- प्रश्न संख्या 1 से 8 तक का उत्तर एक वाक्य / शब्द में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है ।
- प्रश्न संख्या 9 से2 0 तक प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 80 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए ।
- प्रश्न संख्या2 1 से2 8 तक प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है । इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 120 शब्दों से अधिक का नहीं होना चाहिए ।
- प्रश्न संख्या 29 मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न 6 अंक का हैं ।)3 अंक इतिहास तथा 3अंक भूगोल (।
- भरे हुए मानचित्र को अपनी उत्तर –पुस्तिका के साथ संलग्न ।

General Instructions :

- The question paper has 29 questions in all. All questions are compulsory.
- Marks for each question are indicated against the question.
- Questions from serial number 1 to 8 are very short answer /one word. Each question carries 1 mark.
- Questions from serial number 9 to 20 are 3 marks questions. Answers of these questions should not exceed 80 words each.
- Questions from serial number 21 to 28 are 5 marks questions. Answers of these questions should not exceed 120 words each.
- Question number 29 is a question of 6 marks(3marks from History and 3 marks from Geography).
- Attach the filled up map inside your answer book.

.1 अबनिन्द्रनाथ टैगोर ने भारत माता की छवि को कैसे चित्रित किया? [1]
How did Abanindranath Tagore portray Bharat Mata?

.2 भूतापीय उर्जा के दोहनके लिए भारत में शुरू की गई किन्हीं एक स्थान का नाम बताइए- [1]
Name any one location set up in India to harness Geothermal energy.

.3 जन सामान्य के हितके एक लक्ष्य लिखिए। समूह अथवा लोक कल्याणकारी समूह- [1]
Write any one aim of Public Interest Group and Promotional Interest Group.

.4 नेपाल के लोकतंत्र का आंदोलन में एस?ए क्या है.पि. [1]
What is 'SPA' in the movement for democracy in Nepal?

5. भारत की प्राचीन संस्कृति और मूल्यों से में बनी पार्टी का नाम बताइए जो1980 [1]
प्रेरणा लेकर मज़बुत और आधुनिक भारत बनाना चाहती है ?
Name the party founded in 1980, with an aim to build a strong and modern India by drawing inspiration from India's ancient culture and values?

.6 उदारीकरण का तात्पर्य क्या है ? [1]
What is meant by liberalisation?

.7 मुद्रा को विनिमय का माध्यम क्यों कहा जाता है? [1]
Why is money called as medium of exchange?

.8 भारत में सामाजिक' बल? के रूप में उपभोक्ता आन्दोलन का जन्म क्यों हुआ ' [1]
Why did Consumer Movement originate as a'Social force' in India?

.9 साईमन कमीशन भारत क्योंऔर कब पहुँचे ?इसका बहिष्कार क्यों किया गया ? [3]
Why and when did Simon Commission come to India? Why was it boycotted?

10. असहयोग आंदोलन शुरू होने के कौन कौन से कारण थे ? कुछ समय बाद शहरों में यह आंदोलन धीमा क्यों पड़ने लगा।
[3]
What were the reasons for starting of Non-cooperation Movement? Why did this Movement slow down in cities?

11. 1830का दशक यूरोप में भूख और कठिनाइयाँ लेकर आया। क्यों ? [3]

अथवा

टोकिन फ्री स्कुल की स्थापना के पीछे कौन से विचार थे?
s1830were the years of 'Hunger & Hardship', Why ?

Or

Describe the ideas behind the Tonkin Free School.

.12 निजी दूरसंचार सेवा में भारतीय डाकसेवा की भूमिका पर प्रकाश डालिए । [3]
Write the contribution made by the Indian Postal Service as a major means of personal communication.

.13 'ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा उत्पादन है'- एक जागरूक नागरिक के रूप में ऊर्जा संरक्षण में आपकी भूमिका क्या होगी? [3]
'Energy saved in energy produced'-As a concerned citizen, what would be your contribution to energy conservation?

.14 भारतकेलोहाऔरइस्पातउद्योगकेतीनचुनौतियांक्याक्याहैं? [3]

What are the three major challenges faced by Iron and Steel industries in India?

15. 'पारदर्शी- ?क्या है 'यह कार्यविधि लोकतांत्रिक सरकार को निर्णय प्रक्रिया में हिस्सेदार बनाने में कैसे मदद करती हैं? [3]

What is 'transparency'- How has this mechanism contributed to hold the Government accountable in democracy?

16. संघर्ष -रिश्ता बहुत ज़रूरी है लोकतंत्र की जीवता के लिए उनका अंदरूनी -'बोलीविया का जल युद्ध' के संदर्भ में उक्त कथन पर विचार कीजिए। [3]

'Popular struggles are integral to the working of democracy'- Explain the given statement with 'Bolivia's Water War'?

17. संसार के अधिकांश लोकतांत्रिक देशों के सामने आनेवाली दो मुख्य चुनौतीयोंतथा गैर लोकतांत्रिक दो के सामने आनेवाले एक मुख्य चुनौति का उल्लेख कीजिए । [3]

Explainthe two challenges faced by most of the established democratic countries and a challenge of a non-democratic country?

18. 'प्रौधोगिकी में तीव्र उन्नति वह मुख्य कारक है जिससे वैश्ववीकरण की प्रक्रिया को उत्प्रेरित किया' किन्हीं तीन कारण देकर समझाओ। [3]

'Technology has been major factor,that stimulated Globalisation process. Explain by givingany three reasons.

19. गोविन्द ने मकान बनाने के लिए दस लाख रूपये बैंक से कर्ज़ लिए। ये ऋण लेते समय उसे किन किन औपचारीकाओं को निभाना पड़ेगा? [3]

Govind took a loan of 10 lakhs from bank for house construction. What are the formalities he has to fulfillfor getting the loan?

20. सूरज ने दूकान से एक कैमरा खरीदा जो उसने खराब पाया।लेकिन वह उपभोक्ता अदालत नही जाना चाहता था।आपकी राय में इसके क्या?क्या कारण हो सकते है-

[3]

SurajboughtaCamera from a shop and found it defective, but did not want to go to Consumer Court. According to your opinion, what could have been the reason for it?

.21 इटली की एकीकरण प्रक्रिया को संक्षेप में लिखिए । [5]

अथवा

वियतनाम युद्ध में अमेरिकी हिस्सेदारी के कारणों की व्याख्या कीजिए। इस कृत्य से अमेरिकी जीवन में क्या असर पडे?

Briefly write the process of Unification of Italy.

OR

Explain the causes of US involvement in the war in Vietnam. What effects had this involvement have on the life within US itself.

.22 भारत में कुछ मुस्लिम राजनितिक संगठनों ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रति कोई खास उत्साह नहीं दिखाया समझाइए क्यों -?

[5]

'Some of the Muslim Political Organisations in India were also lukewarm in their response to civil disobedience'. Explain why?

.23 औद्योगीजल प्रदुषण का कारण क्या हैऔद्योगी प्रदुषण से स्वच्छ जल को बचाने के तीन ? उपाय स्पष्ट कीजिए । [5]

How is water pollution caused by Industries ?Give any three methods to treat and reduce industrial pollution of fresh water.

24. आज भारत में रेल परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन की बढ़ते महत्व के कारणों का उल्लेख कीजिए। [5]

In India road ways have growing importance than railways today. Give reasons.

.25 राजनितिक दल लोकतंत्र की एक अनिवार्य शर्त मानी जाती है। क्यों?

'Political parties are considered as a necessary condition for a democracy'-Why?

26. लोकतंत्र के विचार के विश्व समर्थन के प्रति आपका कारण बताइए? [5]

Give your reasons for why there is an overwhelming support for the idea of democracy all over the world.

27. उत्पादकों और श्रमकों पर वैश्वीकरण का प्रभाव एक सामान नहीं है । समझाइए । [5]

Among producers and workers the impact of Globalisation has not be uniform. Explain.

.28 भारतीय रिजर्व बैंक अन्य बैंको की गतिविधियों पर किस तरह नज़र रखता है ? [5]

In what ways does Reserve bank of India supervise the functioning of banks?

29. .1 भारत के राजनीतिक मानचित्र में निम्नलिखित जानकारी की मदद से इन लक्षणों को पहचानिए और उनके सही नाम मानचित्र में खींची गई रेखाओं पर लिखिए ।

क . वह स्थान जहां सन् 1927 में भारत के राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हुआ था । [1]

ख . वह स्थान जहां गांधीजी ने नील उत्पद्कों के खिलाफ सत्याग्रह किया था। [1]

ग. वह स्थान जहां जालियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ था। [1]

.2 भारत के इसी राजनीतिक मानचित्र में

अ. पहचानिए_

क. एक आणविक उर्जा संयत्र [1]

ख. एक कोयला खान [1]

निम्नलिखित को उपयुक्त चिहृन से दिखाइए और उसका नाम लिखिए ।

क. छत्रपति शिवाजी अंतराष्ट्रीय हवाई पत्तन [1]

1. Identify and label the following on the map of India.
   - A) The place where Indian National Congress Session was held in 1927
   - B) The place where Gandhiji organized a Satyagraha against Indigo planters.
   - C) The place where the JalllianwalaBagh incident occurred.
2. Identify on the given political out line map of India
   - A) a) A Nuclear Power Station b) A Coal Mine
   - B) Locate and label
     a) ChhatrapatiShivaji International Airport

INDIA
C
(a)
B
(b)
A

SUMMATIVE ASSESSMENT-II
X- SOCIAL SCIENCE
MARKING SCHEME

Qn.No	Answers	Marks
1.	As an ascetic figure / calm / composed / divine and spiritual	1
2.	Parvati Valley near Manikarn in Himachal Pradesh Or Puga Valley, Ladakh	1
3.	Collective good/help groups/social justice and social equality for the entire society	1
4.	Seven party alliance/major political parties of Nepal	1
5.	BharatiyaJanata Party	1
6.	Liberalisation means removing barrier or restriction set by the Government .	1
7.	Money acts as an intermediate in the exchange process.	1
8.	Necessity of protecting & promoting the interest of consumers against unethical & unfair trade practices.	1
9.	Commission was to look into functions of constitutional system in India & suggest changes. 1928-it did not have any Indian member and did not talk about Swaray	1+1+1
10.	JallianWala tragedy, Rowlatsatyagraha limited to cities, Gandhiji wanted National Movement to Mass Movement. It slowed down in cities because,Khadi cloth was expensive, British institution to be, replaced with Indian Institution which was slow to come up.	1+1+1
11.	1830s were a year of hunger and hardship -Increase in population in Europe, Unemployment Cities overcrowded, Stiff competition from imports of machine made goods Peasants struggled from feudal dues Rise of food prices & shortage of food Or French opened French schools in Vietnam One such was Tonkin Free School Science Hygiene & French Introduced to train Vietnamese students in modern subject like science and hygiene Students to look modern adopted Western style, (shorthair) which was restricted by Vietnamese people.	1+1+1
12.	First class mail-Cards- envelops, air lifted Second class mail-books- periodicals, surface mail Quick delivery of mails-Six mail channels	1+1+1
13.	Using of public transport systems instead of individual vehicles Switching of electricity when not in use Using non-conventional sources of energy Using power saving devices (any other value points)	1+1+1
14.	High costs and limited availability of coking coal Lower productivity of labour Irregular supply of energy Poor Infrastructure (any three points)	1+1+1
15.	A citizen has the right and the means to examine the process of decision making. Democracy ensure that decision making will be based on norms and procedures-or idea of deliberation and negotiation. Takes time-decision acceptable and more effective -	1+1+1
16.	Bolivia's Water War- struggle here was for one specific policy- Bolivia a poor country in Latin America- The World Bank pressurized the government to give up its control of municipal water supply- sold these rights to a MNC- water price increased to four time- general strike- FEDCOR its organization- the struggles involved mass mobilization- several different kinds of organization work behind any big struggle.	1+1+1
17.	Challenges faced- **Challenge of expansion** -Ensuring greater power to local fort, extension of federal principle to all the units of the federation, inclusion of women- applying the basic principle of democratic government all the region	1+1+1

	Deepening of democracy- of the institutions and practices of democracy people should realize their expectations- help peoples participation & control- bring down the influence of rich. **Foundational challenge**-Transition to democracy-keeping military away from controlling Government.	
18.	Technology enabled globalization, Improvement in Transport Technology, Changes in information and communication, Invention of computers, Internet , Mobile phones etc made contacts with people around the world.	1+1+1
19.	Terms of credit, Interest rate, Collateral documentation requirement , Mode of repayment	1+1+1
20.	Because consumer to engage lawyer, Time for filing, Attending court, No evidences, Existing law not clear.	1+1+1
21.	Unification of Italy a) Italy scattered over several dynastics b) Contribution of Mazzini, Cavour, Garibaldi c) In 1861 victor Emmanuel II proclaimed king of United Italy Or US Involvement in Vietnam a) Spread of Communism in Vietnam b) Humiliation that France had to face in Vietnam c) Geneva conference had divide Vietnam into two parts , when Ho Chi Minh Government tried to unify Vs could not tolerable within VS America had to suffer loss of men and money, other countries criticized American intervention and had to withdraw troops.	1+1+1+1+1 [to explain]
22.	Muslim response lukewarm to civil disobedience a) After non-coopeartion Muslim felt alienated b) Congress associated with Hindu MahaSabha c) Hindu-Muslim clashes made distance between two d) Muhammed Ali Jinnah give up separate electorate if Muslims assured reward seats in central Assembly e) At time of civil disobedience there was atmosphere of Suspicious among these communities. So Muslims did not respond to this Movement.	1+1+1+1+1
23.	Industrial wastes and effluents discharge-industries let out dyes, acids, salts, heavy metals- discharge of solid waste like fly ash. Methods to treat - reusing and recycling(1) - harvesting rain water(1) - Treating hot water(1) Primary treatment Secondary treatment Tertiary treatment	2+ 1+1+1
24.	Construction cost is less- can traverse dissected and undulating topography- can negotiate higher gradients of slopes- economical-door to door service- feeder service- high way and national high way.	1+1+1+1+1
25.	The need for political parties- Parties contest elections-parties put forward different policies &programmes- parties play a decisive role in making laws for a country- form & run the govt- role of opposition shape public opinion- access to govt machinery & welfare schemes- representative democracies-forming of responsible govt- elected representatives will be accountable to their	1+1+1+1+1

	constituency. [Any 5 points in brief]	
26.	Democracy is better form of govt- promotes equality among citizens- accommodates of social diversion- enhances the dignity of the individual, accountable, responsive and legitimate govt- allows room to correct mistakes, provides a method to resolve conflicts. [Any 5 points in brief]	1+1+1+1+1
27.	Positive Effect- Greater competition among producer, advantages to consumer, greater choice, investment India beneficial, new job opportunity, introduction of new technology, emergence of India as MNC Negative effect- No job security, cut in labour cost, widening of income inequality, depending of developing country on developed country, no sustainable growth.	1+1+1+1+1
28.	RBI supervises other banks,Keeps certain percentage as cash balance, Periodical reports to be show to RBI, Lender of last resort,It observes that bank gives loan to small cultivator,Acts as central clearance ,Check all banks follow common policies ,Act as bankers bank,It acts as a bank of clearance, settlement & transfers	1+1+1+1+1
29.	Map A]Madras B] Champaran C] Amritsar	1+1+1
	a] Rawat Bata b] Korba B-a] Iternational Airport in Maharastra state [to locate]	1+1 1

NOTE –Marks may be given to any other relevant points.

Links for sample question papers
http://www.learncbse.in/cbse-class-10-sample-papers-sa1-solved-social-science-01/
http://jsuniltutorial.weebly.com/x-social-science-sa1.html
http://mycbseguide.com/downloads/cbse-class-10-social-science/1896/cbse-sample-papers/2/
http://cbseacademic.in/web_material/SQP/CLASS%20X_2015_16/Social%20Science/Social%20Science%20SQP%20_2015-16_%20Set%202.pdf
http://cbseacademic.in/
Links for Syllabus
http://cbse-international.com/upload/documents/upload/22f23fs23fs/level-1/l-1_c-91_1347248734555.pdf Pages from 107 - 112

TIPS AND TRICKS TO STUDY SOCIAL SCIENCE

Study regularly

Revise textbooks thoroughly

Practice writing

Attempt all question

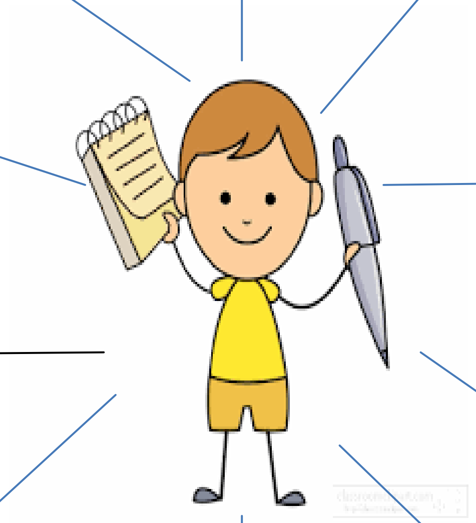

Practice map work

Try to learn the long answers in the form of points instead of paragraphs

Review sample papers

Eat the right food and stay healthy

Relax- doing deep breathing exercises& meditating helps you stay completely free of stress.

Focus on managing time well